हृदय और धड़कन

वर्ष-4, अंक-47, नवम्बर 20, 2013

Price : ₹ 5/-

केर इन्स्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज

सीम्स अस्पताल

वर्ष 2012 में हांसिल की हुई सिद्धियाँ

CIMS

Green Hospital

NABH "ACCREDITED"

NABL

प्रिमियर मल्टि-सुपर स्पेशियालीटी ग्रीन हॉस्पिटल

सीम्स फोटो गेलेरी

CCU/सीसीयु

ICU/आईसीयु

Suite Room/स्युट रुम

Single Room/सिंगल रुम

GICU/जीआइसीयु

Pediatric ICU/बच्चो के लिये आइसीयु

Radial Lounge/रेडियल लोन्ज

Radial Lounge/रेडियल लोन्ज

The Heart
and its blood supply

हृदय
हृदय और उसको रक्त प्रदान करने वाली धमनियाँ

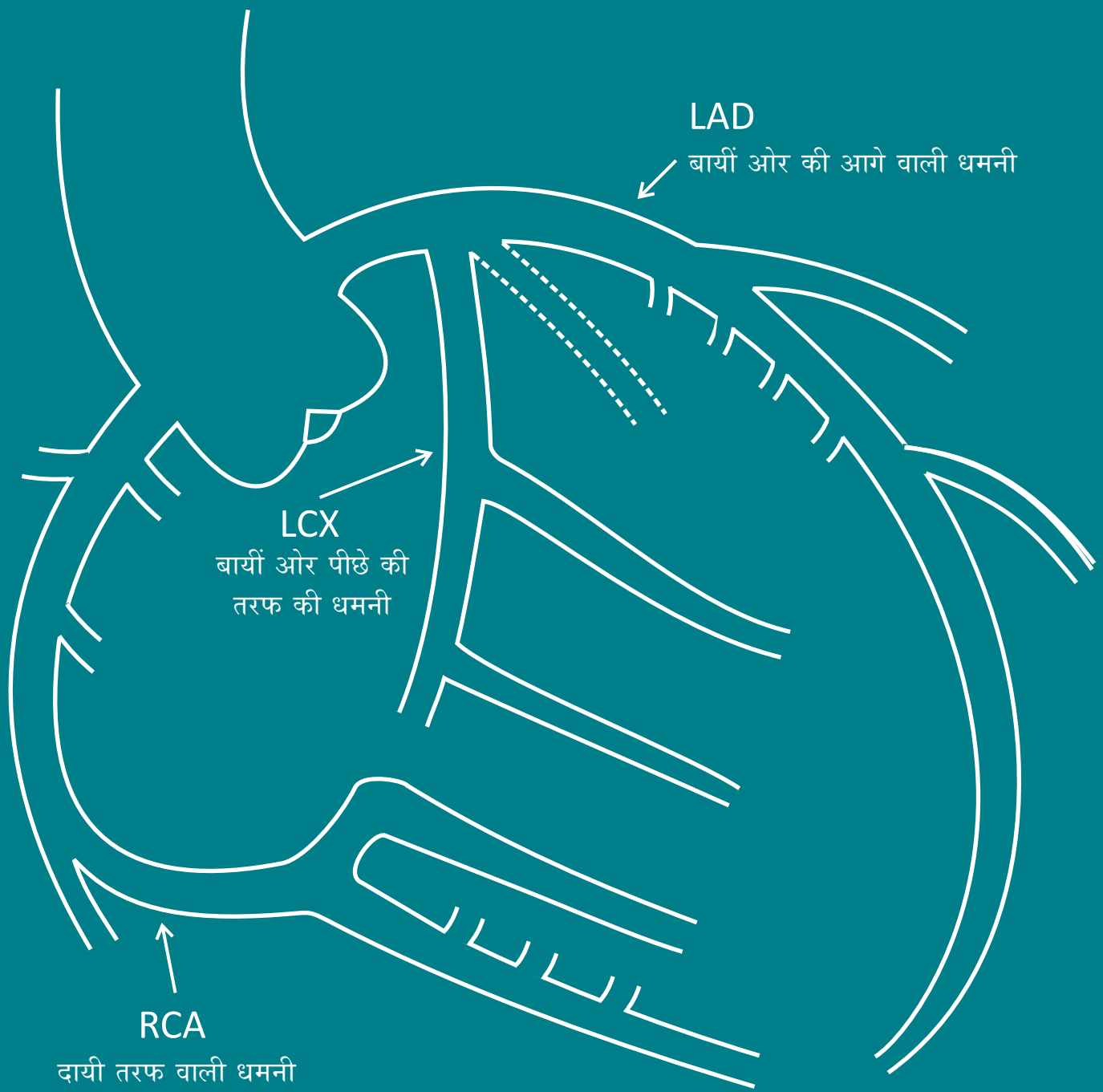

हृदय और धड़कन
वर्ष-4, अंक-47, नवम्बर 20, 2013

संदेश

प्रिय मित्रों,

अगस्त २०१० में डॉक्टरों के समूह द्वारा प्रारंभ किए गये और डॉक्टरों के समुह द्वारा संचालित इस सीम्स हॉस्पिटल को जब ३ वर्ष की छोटी सी अवधि में एक अग्रणी मल्टि सुपर स्पेशियालिटी हॉस्पिटल के रुप में पश्चिम भारत में स्थान मिला है तब हॉस्पिटल के विकास में सहभागी बनना मेरे लिए बड़े गर्व की बात है।

सीम्स में हर प्रकार की बीमारियों का निदान और उपचार सुपर स्पेशियालिस्ट डॉक्टरों द्वारा एक ही छत के नीचे हो ऐसा हमारा निरंतर प्रयास रहता है। जिसके तहत कुछ समय में रेडियो थेरेपी डिपार्टमेंट जो कैंसर के उपचार में एक महत्वपूर्ण भूमिका अदा करता विभाग ज्यादा मरीज़ो को लाभ दे सके उसके लिए बिस्तरों की संख्या बढ़ाई जा रही है। दो महीने पहले ही हमने रेडियल रुट (हाथ की कलाई से) एन्जियोग्राफी की जाँच कराने के लिए आने वाले मरीजों के लिए एक परम्परागत हॉस्पिट्ल के वातावरण से अलग अनुभव कराने वाली रेडियल लॉन्ज की शुरुआत की है।

यह सब संभव हुआ एक टीम वर्क से। इस मौके पर मैं सब डॉक्टर दोस्तों, मरीज़ों, सामाजिक कार्यकर्ताओं व सामाजिक संस्थाओं को धन्यवाद देता हूँ कि उन्होंने हम पर विश्वास रखा। इस ऑउटकम बुक के डेटा से आप देख्र सकते है कि हृदय के अलावा अन्य सभी विभाग भी कार्यरत हो गए हैं।

प्रत्येक वर्ग के मरीज़ को उत्तम उपचार मुहैया किया जा सके उसी आशय से सीम्स फॉउन्डेशन की स्थापना की गई है जिसमें ग़रीब मरीज़ों को आवश्यकता के अनुसार फॉउन्डेशन द्वारा राहत प्रदान की जाती है। इस मौके पर मैं समाज के प्रतिष्ठित एवं समृद्ध व्यक्तियों को इस कार्य में यथाशक्ति योगदान देने का विनम्र निवेदन करता हूँ।

सीम्स हॉस्पिटल में उपचार ले कर गए मरीज़ का अभिप्राय हमारे हॉस्पिटल के MOTO 'At CIMS... we care' को सटीकता से सार्थक होता देखा जा सकता है। यह संभव हुआ है 'Patient First Always' का लोगो पहन कर जोश से काम करते हुए कर्मचारियों के कारण।

मुझे विश्वास है कि हम सब के निरंतर और निष्ठापूर्वक प्रयास से निकट वर्षों में हम इस हॉस्पिटल को भारत की पर्यावरण उद्देश्र्यीय सीमास्तंभ हॉस्पिटल बना देंगे।

डॉ. उर्मिल शाह
कॉर्डियोलॉजिस्ट
डिरेक्टर, सीम्स हॉस्पिटल

हमारी यात्रा

"जीवन किसी सुन्दर उद्देश्य के लिए
व्यतीत हो यही जीवन का सच्चा सुख है"

"मेरा मानना है कि मेरा जीवन समस्त समाज को समर्पित है और उसके लिए मैं कदाचित जो कर सकूं वह मेरा विशिष्ट कर्तव्य हैं। मेरे मृत्यु पर्यन्त मेरे जीवन का संपूर्ण उपयोग हो ऐसी मेरी इच्छा है, क्योंकि जितना कठोर परिश्रम करुंगा उतना ही ज्यादा मैं सुन्दर जीउंगा और उसके लिए मैं आनन्द महसूस करता हूँ। ज़िदगी कोई छोटी सी मोमबत्ती नहीं परंतु भव्य मशाल है जिसे मुझे वर्तमान में पकड़ कर रखना है और भावी पीढीं को उसे सुपुर्द करुंतब तक मुझे जितना हो सके उतना ज्यादा प्रज्वलित रखना है।"

- जॉर्ज बर्नार्डशो

इस महान चिंतक के विचार को सीम्स हॉस्पिटल परिवार आत्मसाध कर पिछले तीन वर्षों से आगे बढ रहा है। इन तीन वर्षों में सीम्स हॉस्पिटल एक अंकुर से वटवृक्ष बनने की ओर आगे बढ़ रहा है। पिछले तीन वर्षों की सिद्धियों को देखा जाय तो सीम्स हॉस्पिटल वर्तमान समय में गुजरात, राजस्थान, मध्य प्रदेश के एक अग्रणी मल्टिस्पेशियालिटी हॉस्पिटल के रुप में नाम कमा चुका है।

हर साल १०००० से ज्यादा संतुष्ट मरीजों का उपचार, आईसीयु ऑन व्हील द्वारा कोने-कोने घूम कर गंभीर मरीज़ों का आकस्मिक उपचार कर एक नया उदाहरण प्रस्तुत किया है। सीम्स में सालाना १००० से ज्यादा २ दिन के बच्चे से ८५ वर्ष के वृद्ध की ओपन हार्ट सर्जरी सफलता से की जाती है। उपचार ले चूके रोगीयों के घर जा कर हॉस्पिटल टू होम कार्यक्रम के अंतर्गत रोगी की जाँच और हालचाल पूछते है।

कर्तव्य बगैर जीना घृणास्पद होता है।
कर्तव्य के बगैर जीवन वो जीवन ही नहीं।

इस बात को समझ कर सीम्स के निर्देशक, डॉक्टरों, मैनेजमेंट और समस्त सीम्स परिवार रोगी के दुख्र को अपना समझ कर, दर्द, वेदना, तनाव दूर करने को अपना कर्तव्य समझ कर निष्ठापूर्वक प्रयास किया है और भविष्य में भी प्रयास करते रहेंगे।

डॉ. धीरेन शाह
कार्डियाक सर्जन
डिरेक्टर, सीम्स हॉस्पिटल

- सीम्स हॉस्पिटलने बहुत ही अल्प काल में NABH और NABL की मान्यता प्राप्त करने हेतु सीम्स हॉस्पिटल की कुशल और प्रतिबद्ध टीम को बहुत बहुत धन्यवाद ।
- नेशनल एक्रेडिशन बोर्ड फॉर हॉस्पिटल एण्ड हेल्थकेयर प्रोवाईडर्स (एनएबीएच) भारतीय गुणवत्ता समिति का इंफ्रास्ट्रक्चरल निगम है जिसकी स्थापना हेल्थ केयर संस्थाओं की पहचान स्थापित करने और उनके संचालन के लिए की गई है।

National Accreditation Board
for Hospitals & Healthcare Providers

Certificate of Accreditation

Care Institute of Medical Sciences (CIMS)
CIMS Hospital, Science City Road
Near Shukan Mall, Sola
Ahmedabad - 380050

has been assessed and found to comply with NABH Accreditation requirements. This certificate is valid for the Scope as specified in the annexure subject to continued compliance with the accreditation requirements.

Valid from : February 01, 2013
Valid thru : January 31, 2016

PATIENT SAFETY & QUALITY OF CARE
NABH
ACCREDITED

Certificate No.
H-2013-0166

Chief Executive Officer

Chairman

National Accreditation Board for Hospitals & Healthcare Providers, 2nd Floor, IMA Bhawan, Indraprastha Marg, New Delhi 110 002, India
Phone: +91-11-23378837, 23378838, 23370567 Fax: +91-11-23379621 • Email: info@nabh.co • Website: www.nabh.co

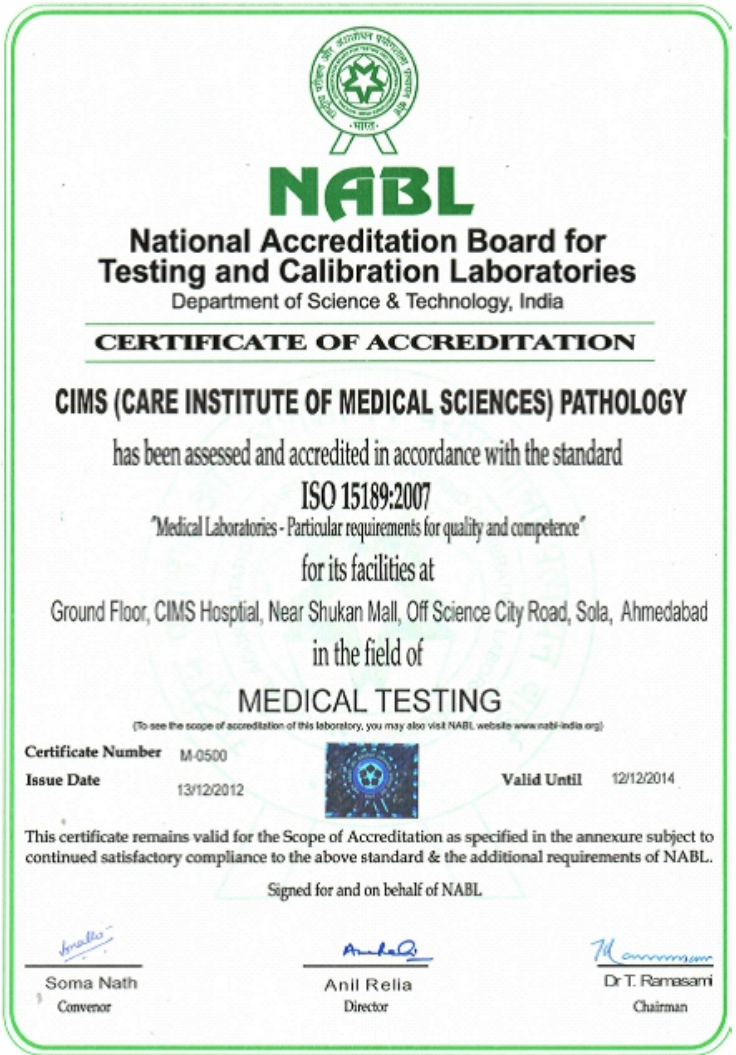

NABL
National Accreditation Board for
Testing and Calibration Laboratories
Department of Science & Technology, India

CERTIFICATE OF ACCREDITATION

CIMS (CARE INSTITUTE OF MEDICAL SCIENCES) PATHOLOGY

has been assessed and accredited in accordance with the standard

ISO 15189:2007

"Medical Laboratories - Particular requirements for quality and competence"

for its facilities at

Ground Floor, CIMS Hosptial, Near Shukan Mall, Off Science City Road, Sola, Ahmedabad

in the field of

MEDICAL TESTING

(To see the scope of accreditation of this laboratory, you may also visit NABL website www.nabl-india.org)

Certificate Number M-0500
Issue Date 13/12/2012
Valid Until 12/12/2014

This certificate remains valid for the Scope of Accreditation as specified in the annexure subject to continued satisfactory compliance to the above standard & the additional requirements of NABL.

Signed for and on behalf of NABL

Soma Nath
Convenor

Anil Relia
Director

Dr T. Ramasami
Chairman

बोर्ड ऑफ डिरेक्टर्स

डॉ. केयूर परीख
चेरमेन

डॉ. मिलन चग
मेनेजींग डिरेक्टर

डॉ. अनिश चंदाराणा
एक्झिक्युटीव डिरेक्टर

डॉ. हेमांग बक्षी
डिरेक्टर

डॉ. उर्मिल शाह
डिरेक्टर

डॉ. अजय नाईक
डिरेक्टर

डॉ. सत्य गुप्ता
डिरेक्टर

डॉ. धीरेन शाह
डिरेक्टर

डॉ. अशित जैन
डिरेक्टर (यु.एस.ए)

श्री किर्ती पटेल
डिरेक्टर (यु.के.)

डॉ. कमलेश पंडया
डिरेक्टर (यु.एस.ए.)

डॉ. (प्रो.) दिलिप मावलंकर
डिरेक्टर (इन्डिया)

कार्डियोलॉजिस्ट

डॉ. अजय नाईक
(मो)+91-98250 82666

डॉ. सत्य गुप्ता
(मो)+91-99250 45780

डॉ. विनीत सांखला
(मो)+91-99250 15056

डॉ. गुणवंत पटेल
(मो)+91-98240 61266

डॉ. केयूर परीख
(मो)+91-98250 26999

डॉ. मिलन चग
(मो)+91-98240 22107

डॉ. उर्मिल शाह
(मो)+91-98250 66939

डॉ. हेमांग बक्षी
(मो)+91-98250 30111

डॉ. अनिश चंदाराणा
(मो)+91-98250 96922

डॉ. कश्यप शेठ
(मो)+91-99246 12288
पिडियाट्रिक कार्डियोलॉजिस्ट

कार्डीयोथोरासीक और वास्क्युलर सर्जन

डॉ. धीरेन शाह
(मो)+91-98255 75933

डॉ. धवल नायक
(मो)+91-90991 11133

डॉ. सौरभ जयस्वाल
(मो)+91-73548 91044

पिडियाट्रिक और स्ट्रकचरल हार्ट सर्जन

डॉ. शौनक शाह
(मो)+91-98250 44502

वास्क्युलर और एन्डोवास्क्युलर सर्जन

डॉ. सृजल शाह
(मो)+91-91377 88088

कार्डियाक एनेस्थेटिस्ट

डॉ. निरेन भावसार
(मो)+91-98795 71917

डॉ. हिरेन धोलकिया
(मो)+91-95863 75818

डॉ. चिंतन शेठ
(मो)+91-91732 04454

नियोनेटोलोजीस्ट और पीडियाट्रीक इन्टेन्सीवीस्ट

डॉ. अमित चित्तलीया
(मो)+91-90999 87400

क्रिटीकल केयर

डॉ. विपुल ठक्कर
(मो)+91-90990 68935

डॉ. भाग्येश शाह
(मो)+91-90990 68938

डॉ. हर्षल ठाकर
(मो)+91-99099 19963

डॉ. धने श्री अत्रे सिंघ
(मो)+91-82380 01977

हृदय और धड़कन
वर्ष-4, अंक-47, नवम्बर 20, 2013

जल्द ही सीम्स कैंसर और रेडियो थेरेपी सेन्टर

एक नई उपलब्धि

एशिया में सबसे अनोखा और विश्व में पहली बार

इलेक्टा की ओर से लिनियर एक्सिलरेटर, वर्सा एचडी केवल सीम्स में

Linear Accelerator, Versa HD

वर्सा एचडी समग्र शरीर में विविध प्रकार की गांठों के लिए परम्परागत उपचार देने में क्लिनिशियनों को अनुकूलता देता है साथ ही साथ अति लक्षित सटिकता के साथ बहुत जटिल कैंसर का उपचार भी संभव बनाता है।

- यह नई मशीन जनरेशन इलेक्ट लिनियर एक्सिलरेटर की तुलना में रेडिएशन डोज़ तीन गुना तेज़ी से देने में सक्षम है।
- इस आधुनिक रेडियोथेरेपी सुविधा का अर्थ है ट्युमर पर ज्यादा प्रभावी लक्षित होना और आसपास की कोशिकाओं को कम क्षति करना जिससे जटिलता का ख़तरा कम रहता है।

हॉस्पिटल सुविधा और सफलता

सीम्स के विभागों के बारे में	2011*	2012
रोगी मुलाकात	**33824**	**39917**
ओपीडी	26371	30081
आईपीडी (एडमिशन)	7453	9836
संपूर्ण प्रोसिजर और सर्जरी	7472	9937
कार्डियार्क प्रोसिजर और सर्जरी	6644	7846
कार्डियोवास्क्युलर थोरासीक सर्जरी	**944**	**1147**
कार्डियाक सर्जरी	**861**	**1025**
सीएबीजी (कोरोनरी बायपास)	505	661
वाल्व्युलर	120	118
सेप्टल डिफेक्ट रीपेर	69	65
पीडियाट्रीक (बच्चो के हृदय की सर्जरी)	100	110
मीक्स - सीएबीजी	27	19
सीएबीजी + एमवी रीपेर	11	15
मीक्स - एएसडी/वाल्व	12	17
बेन्टल	1	6
सीएबीजी + वीएसडी	3	4
पेरीकार्डियाक्टमी	5	3
सीएबीजी + केरोडीट एन्डरटेरेक्टोमी	3	2
मिक्सोमा	3	2
सीएबीजी + एसवीआर	2	3
वास्क्युलर सर्जरी	**55**	**73**
कार्डियोथोरासीक सर्जरी	**28**	**49**
कार्डियोवास्क्युलर प्रोसिजर	**5700**	**6709**
इन्वेसीव कार्डियोलॉजी	**5211**	**6195**
डायग्नोस्टीक कार्डियाक केथेटराइझेशन (सीएजी)	3834	4554
इन्टरवेन्शनल कार्डियाक प्रोसिजर (पीटीसीए)	1298	1519
पीडियाट्रीक केथेटराइझेशन प्रोसीजर	79	122

सीम्स के विभागों के बारे में	2011	2012
इलेक्ट्रोफिजियोलोजी (इपी स्टडी)	**376**	**383**
इलेक्ट्रोफिजियोलोजी स्टडी	196	212
रेडियोफ्रिकवन्सी एब्लेशन	180	171
डिवाईस इम्प्लन्टस	**113**	**131**
पेसमेकर्स	79	85
डिफ्रीबीलेटर्स	7	23
सीआरटी	16	15
सीआरटी-डी	11	8
अन्य प्रोसिजर्स और सर्जरी	**828**	**2081**
ओर्थोपेडिक	99	502
गेस्ट्रोइन्टेस्टीनल, बेरीयाट्रीक और एन्डोस्कोपीस प्रोसिजर	360	629
ट्रोमा	44	214
न्युरोलोजी-न्युरोसर्जरी	27	150
युरोलॉजी	88	135
ऑन्कोलॉजी (कैन्सर)-ऑन्कोसर्जरी	61	124
जनरल	28	58
पीडियाट्रीक - पीडियाट्रीक सर्जरी	21	63
प्लास्टिक - रीकन्स्ट्रक्टीव	26	35
स्पाईन	19	80
गायनेकोलॉजी	31	29
इएनटी	15	37
पेईन मेनेजमेन्ट	9	25
पैथोलॉजी	**46215**	**67662**
रेडियोलॉजी	**14373**	**23541**
डेन्टल प्रोसिजर	**1158**	**2223**
पल्मोनरी मेडिसीन	**1277**	**1845**

*आउटकम 2010-2011 के संशेधित आँकडे

हृदय और धड़कन
वर्ष-4, अंक-47, नवम्बर 20, 2013

सीम्स कार्डियाक सर्जरी टीम में कुश्ल और अनुभवी सर्जन, एनेस्थेटीस्ट और परफ्यूज़निस्ट है जो रोगी के उपचार के लिए प्रतिबद्ध है।

- At CIMS, in 95 % isolated CABG's patients internal memory artery is grafted.
- In 18-20 % patients total arterial bypass graft were succesfully performed - a high risk procedure.

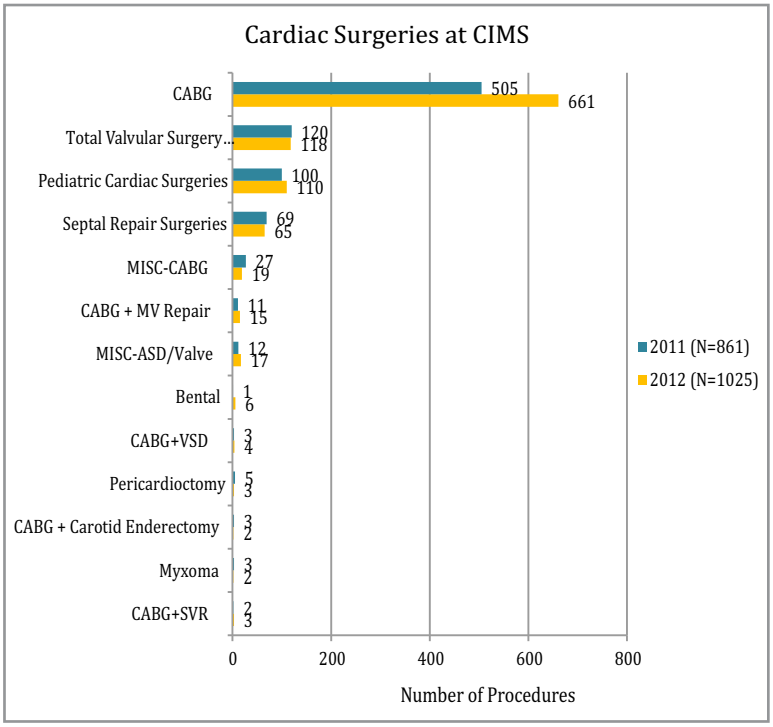

न्यूनतम इनवेसिव माईट्रल वाल्व सर्जरी (MICS MVR)

परिचय : न्यूनतम इनवेसिव माईट्रल वाल्व सर्जरी एक ऑपरेश्न है जिसमें प्रक्रिया की गुणवत्ता से कोई भी समझौता किए बिना एक छोटा सा चीरा लगाया जाता है परिणाम आता है बेहतर बहाली, कम रक्त बहाव, कम दर्द और तेजी से सुधार होना। एक छोटे से थोरेक्टोमी चीरे के माध्यम से माईट्रल वाल्व प्रतिस्थापन के एक मामले की जानकारी देते है।

प्रकरण रिपोर्ट : एक २१ साल की अविवाहित लड़की का एक वेढ प्रस्तुत करते है जिसे चार साल से साँस लेने और छोड़ने में कठिनाई होती थी। नित्य सीना परीक्षण और इकोकार्डियोग्राम के दौरान उसे गंभीर माईट्रल वाल्व स्टेनोसिस का निदान किया गया और उसे माईट्रल वाल्व प्रतिस्थापन करने के लिए रिफर किया गया।

ऑपरेटिव चरण : IJV/SVC और फीमोरल वाहिकाओं में दवाई डालने के लिए नली लगाई गई (केन्यूलेशन)। एक छोटा सा २ इंच का चीरा स्तन के नीचे किया गया और हृदय तक पहुँचा गया। कृत्रिम हार्टलंग मशीन का उपयोग कर हृदय बंद कर दिया और माईट्रल वाल्व तक पहुँचा गया।
रोगग्रस्त वाल्व को हटा दिया और कृत्रिम धातु का वाल्व विशेष उपकरणों और टाँको का उपयोग कर लगाया गया। हृदय बंद था और हार्टलंग मशीन अलग कर दी गई।

ऑपरेशन के बाद का कोर्स : ऑपरेश्न के बाद की रीकवरी आसान थी पोस्ट ऑपरेटिव इकोकार्डियोग्राम बता रहा था कि प्रोस्थेसिस किसी भी रिसाव के बिना अच्छी तरह से बैठा गया था। घाव कम दर्द और कम रक्त आवश्यकता के साथ अच्छी तरह से भरे गये थे।

चर्चा : पिछले कई वर्षों में कार्डियाक शल्य तकनीकें कम सर्जिकल आघात और त्वरित सुधार की उत्कृष्टता के साथ विकसित की गई है। माईट्रल वाल्व का प्रतिस्थापन उत्कृष्ट परिणाम के साथ एक छोटे से चीरे के माध्यम से प्रक्रिया की गुणवत्ता से समझौता किए बिना किया जा सकता है। इन प्रक्रियाओं के मुख्य लाभ है : कम दर्द होना, कम आईसीयु और अस्पताल में रहना, कम खून बहना और बेहतर कॉस्मेटिक निशान।

एमवीआर के अलावा, अन्य कार्डिएक सर्जरी जैसे महाधमनी वाल्व प्रतिस्थापन, एएसडी बंद करना और बॉयपास सर्जरी इसी तकनीक के माध्यम से की जा सकती हैं।

डॉ. धीरेन शाह
MB, MS, MCh (CVTS)
कार्डियोथोरासीक और वास्क्युलर सर्जन

डॉ. धवल नाईक
M.S. (Gold Medalist), DNB (CTS)
Fellow RPAH (Sydney)
कार्डियोथोरासीक और वास्क्युलर सर्जन

प्रक्रिया	2011	2012
आयसोलेटेड सीएबीजी	505	661
सीएबीजी + अन्य प्रक्रियाएँ	34	29

MICS (मिनिमली इन्वेसिव कार्डियाक सर्जरी)

सीम्स सर्वप्रथम अधिकृत केन्द्र है जिसके द्वारा अहमदाबाद और गुजरात में संपूर्ण सुसज्जित मिक्स कार्यक्रम प्रारंभ किया गया है।

सीम्स पर की जाने वाली MICS सर्जरी में

१. ए एस डी पर्दे में छेद
२. माईट्रल वाल्व मरम्मत/पुर्नस्थापन वाल्व मरम्मत/प्रत्यारोपण
३. एओर्टिक वॉल्व रीप्लेसमेंट
४. सीएबीजी के कुछ प्रकरण
५. हायब्रीड सीएबीजी : एंजियोप्लॉस्टी के साथ की जाती बॉयपास सर्जरी

सीम्स पर कुल ३६ मरीज़ों सहित अधिकांश मरीज़ों पर पम्प मीक्स शल्यचिकित्सा की गई हैं।

The observed (O) overall mortality (1.8 %) was lower than the expected (E) mortality (2 %) resulting in low O/E mortality ratio (0.9 %).

परम्परागत MICS

सिम्स हॉस्पिटल में कार्डियाक सर्जरी के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका, ब्रिटेन, केन्या, तंजानिया, युगांडा ताजिकिस्तान, जिम्बाब्वे, नाईजेरिया, बंग्लादेश आदि से मरीज़ आए हैं।

हृदय वाल्व विकार

सिम्स पर इलाज में शमिल हैं

- माईट्रल वाल्व प्रतिस्थापन और मरम्मत (MVR)
- एओर्टिक वाल्व रिप्लेसमेंट (AVR)
- डबल वाल्व रिप्लेसमेंट (DVR)

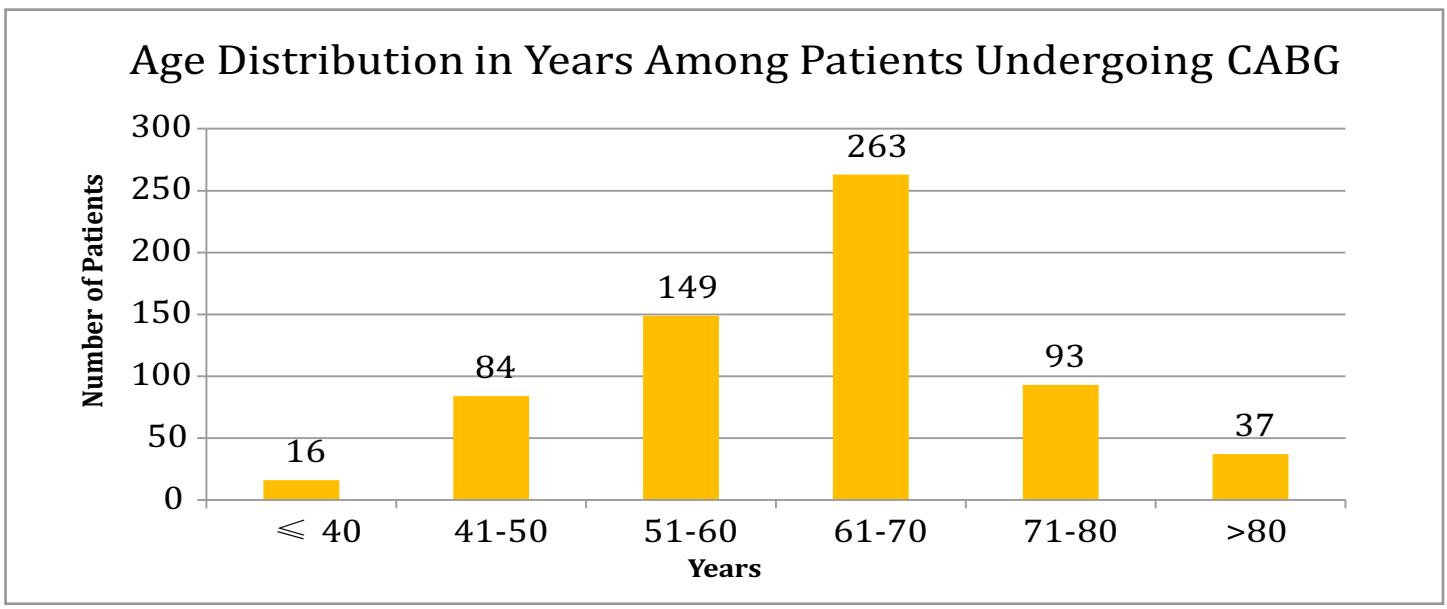

Majority patients undergoing CABG surgery at CIMS were in age group of 61-70 year.

हृदय और धड़कन
वर्ष-4, अंक-47, नवम्बर 20, 2013

गुजरात, भारत में पहली बार

एरोटिक वॉल्व रीपेयर
और
एरोटिक एनेयुरीज़म सर्जरी कार्यशला

एरोटिक वॉल्व पुनर्स्थापन एक प्रक्रिया है जिसमें मरीज़ का क्षतिग्रस्त एरोटिक वॉल्व एक कृत्रिम हार्ट वॉल्व से बदला जाता है।

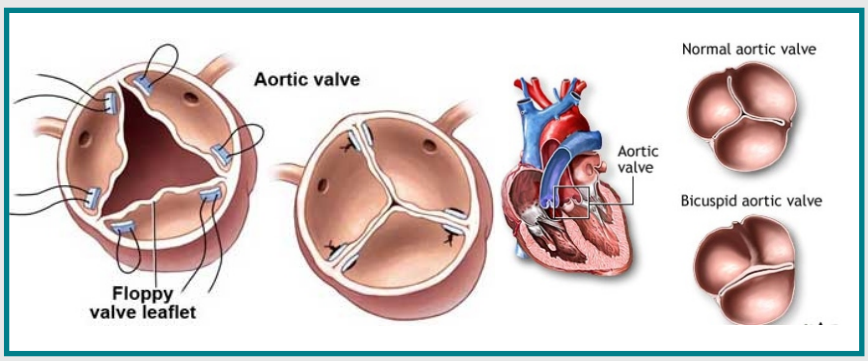

- एरोटिक एन्युरीज्म का अर्थ है महाधमनी की वृद्धि (फैलाव) जिसमें धमनी सामान्य आकार से १.५ गुना से अधिक बड़ी हो जाती है।
- बड़ी या तेजी से बढ़ते एरोटिक एन्युरीज्म के लिए या जब लक्षण जैसे दर्द मौजूद हो तब सर्जरी आवश्यक हो जाती है।

मरीज़ जो एरोटिक वाल्व रोग, एरोटिक एन्युरीज़म या कोई भी वाल्व विकार से पीड़ित है।

डॉ. धीरेन शाह	(मो) +91-98255 75933	डॉ. धवल नायक	(मो) +91-90991 11133
डॉ. शौनक शाह	(मो) +91-98250 44502	डॉ. सौरभ जयस्वाल	(मो) +91-73548 91044

संबंधित मरीज़ों का दैनिक स्क्रीनिंग शिविर सीम्स हॉस्पिटल में १ अक्टूबर २०१३ से आयोजित किया जाएगा। समय : दोपहर २.०० से सांय ६.०० बजे तक

Organized by
CIMS®
Care Institute of Medical Sciences
At CIMS... we care

एपोईन्टमेन्ट के लिये कॉल करे : +91-79-3010 1200, 3010 1008
मोबाईल : +91-98250 66661 या ईमेल : opd.rec@cimshospital.org

सीम्स द्वारा विशेष कार्डियाक एरीथमिया मैनेजमेंट केन्द्र स्थापित किया गया है जो कस्टमाईज्ड कैथेटर आधारित उपचार करता है, जो एरीथमिया के प्रभावकारी उपचार के लिए सघन और अद्यतन प्रौद्योगिकी शामिल करता है। सीम्स देता है :

- इलेक्ट्रोफिज़ियोलॉजी स्टडीज़ (EPS)
- रेडियोफ्रिकवेंसी एब्लेश्न (RFA)
- त्रिपार्श्वीय मेपिंग और एब्लेश्न
- पेसमेकर थेरेपी
- ईम्प्लांटेबल कॉर्डियोवर्टर डीफिब्रिलेटर(ICD)
- बायवेंट्रीक्युलर पेसिंग (CRT और CRT-D)

२०११ की तुलना में २०१२ में इपी स्टडी और आरएफ एब्लेश्न की संख्या ज्यादा थी।

सीम्स में अर्जित किए गए इपी लक्ष्यांक में शमिल है

- एरीथमिया का संपूर्ण सटिकता पूर्ण निदान (सुप्रावेंट्रीक्युलर या वेंट्रीक्युलर टेकीएरीथमिया या ब्रेडीएरीथमिया)
- स्ट्रक्चरल हार्ट डिसीज़ वाले रोगीयों में विशेष कर सिंकोप के लिए इटीयोलॉजी स्थापित करना (ब्रेडीएरीथमिया या टेकीएरीथमिया)
- प्रोग्नोसिस का मूल्यांकन
- अचानक कॉर्डियाक मृत्यु के ख्रतरे का स्ट्रेटीफिकेशन
- उपचार के लिए जानकारी आधारित सूचनाएँ प्राप्त करना (उदा. स्थायी पेसमेकर या डीफिब्रिलेटर का प्रत्यारोपण)
- एंन्टीएरिथेमिक दवाई से ईलाज़ के लिए मार्गदर्श्न
- नॉनफार्मेकोलॉजीकल उपचार की संभवना के परिणाम का मूल्यांकन उदा. ट्रांसकेथेटर रेडियोफ्रिकवेंसी एब्लेशन, एंटीएरीथेमिक सर्जरी या प्रत्यारोपण योग्य कॉर्डियोवर्टर डीफिब्रिलेटर उपचार)

हृदय गति विविधताएँ

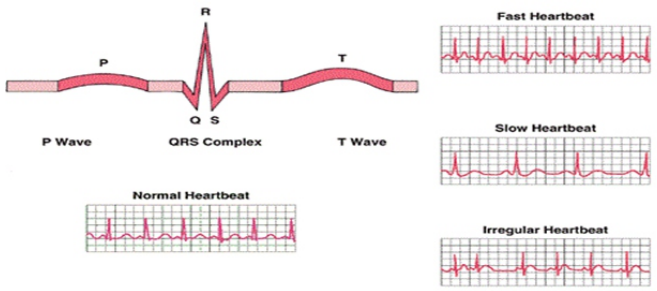

हृदय गति का मतलब है प्रति मिनट आपका हृदय कितनी बार धड़कता है। सामान्य हृदय गति व्यक्ति व्यक्ति से बदलती रहती है। आपकी गति जानने से आपके हृदय के स्वास्थ्य की स्थिति पता करने में सहायता मिल सकती है।

सामान्य हृदय गतियाँ

- बच्चे (उम्र ६-१५) ७०-१०० धड़कन प्रति मिनट
- वयस्क (उम्र १८ और अधिक) ६०-१०० धड़कन प्रति मिनट

हृदय गतियों की कुछ असामान्यताएं

१. ब्रेडीकॉर्डियाः जब आपका हृदय एक मिनट में ६० से कम बार धड़कता है तो इस शब्द का प्रयोग किया जाता है। एथलीट या बहुत सक्रिय लोगो के दिल की धड़कन < ६० हो सकती हैं लेकिन उन्हे कोई भी हृदय की समस्याएं नहीं होती है।
अन्य प्रकरण में, ब्रेडिकॉर्डिया दिल के दौरे, कोरोनरी हृदय रोग,हाइपोथायरायडिज्म, इलेक्ट्रोलाइट असंतुलन, आयु, कुछ दवाओं, आदि जैसे कई कारकों के कारण हो सकता है।

२. टेकीकॉर्डियाः जब आपका हृदय एक मिनट मे १०० बार से ज्यादा धड़कता है तो इस शब्द का प्रयोग किया जाता है। इसके परिणाम स्वरुप, हृदय कुश्लता से आपके शरीर को ऑक्सीजन युक्त रक्त पंप करने में सक्षम नहीं होता है। टेकीकॉर्डिया उच्च रक्तचाप, हृदय वाल्व रोग, हार्ट फेल्युअर, हृदय पेशी रोग, फेफड़ों की बीमारी या भावनात्मक तनाव, आदि जैसे कई कारणों के कारण हो सकता हैं।

३. एरीथमिया एक अनियमित दिल की धड़कन के लिए इस शब्द का इस्तेमाल किया है धड़कन तेज भी, बहुत धीरे धीरे, बहुत जल्दी या बहुत अनियमित हो सकती है। यह तब होता है जब दिल के विद्युत आवेग जो धड़कन का समन्वय करते है ठीक से काम नहीं करता हैं। इसके लिए कई कारक जैसे आयु, डायबिटीज, हृदय रोग, उच्च रक्तचाप, आदि जिम्मेदार होते हैं।

हृदय और धड़कन
वर्ष-4, अंक-47, नवम्बर 20, 2013

अफ्रीका से एशिया तक महाद्वीपों के पार उपचार और निगरानी

एक ७६ वर्षीय सज्जन, तंजानिया, अफ्रीका के एक डॉक्टर को, पिछले एक साल से घबराहट और चक्कर की शिकायतों के साथ अहमदाबाद के हमारे अस्पताल में प्रस्तुत किया गया। इस अवधि के दौरान उन्हे प्रिसिंकोप के तीन एपिसोड हुए थे (चक्कर आना और बेहोशी महसूस होना) उन्होंने सीने में हल्के भारीपन की शिकायत भी की, परिश्रम सांस की तकलीफ (सांस रुकना) और आसानी से थक जाना जो धीरे धीरे पिछले ६ महीनों में बिग़डता गया । वे पिछले १० वर्षों से डायबिटीज़ और उच्च रक्तचाप से ग्रस्त है। उन्हे कोरोनरी धमनी की बीमारी का इतिहास रहा है और २००४ में कोरोनरी एंजियोप्लास्टी करवाई थी। रोगी को २०१० में बड़ी आँत के कैंसर का भी निदान किया गया था और पूरी तरह ठीक होने के साथ रसायन चिकित्सा का एक पूरा चक्र लगाया गया था। मौजूदा केस के दौरान, वे अपनी शिकायतों के लिए किसी स्थानीय डॉक्टर से मिले थे। एक इलेक्ट्रोकार्डियोग्राम लिया गया जिसमें उच्च नाड़ी दर पता चली। इकोकार्डियोग्राफी में अच्छी हार्ट पम्पिंग दिखाई दी। एक होल्टर मॉनिटर परीक्षण किया गया जिसने हृदय के उपरी कक्ष में दिल की धडकन तेज और कभी कम दर्शाई (कभी ख़ुशी कभी गम)।

उसे अपने डॉक्टर ने एक दवा (मेटोप्रोल) लिख दी थी। जैसा कि कोई नैदानिक सुधार नहीं देखा गया, उसे आगे मूल्यांकन के लिए हमारे केंद्र में भेजा गया। इलैक्ट्रोफिजियोलॉजी अध्ययन (ईपीएस) किया गया, जिसने हृदय की सामान्य स्वीच में बीमारी का पता चला जो हृदय में विद्युत आवेग पैदा करता है। हृदय के उपरी कक्ष में असामान्य शॉर्ट सर्किट भी था। इसे टेकीब्रेडी सिंड्रोम (कभी ख़ुशी कभी गम) कहा जाता है। कथित का उपचार स्थायी पेसमेकर प्रत्यारोपण है।

कोरोनरी एंजियोग्राफी की हई जिसमें हृदय धमनियों में महत्वपूर्ण अवरोधों का पता चला।भुजाओं में भी रक्त वहिकाओं में अवरोध थे। इसका एंजियोप्लास्टी द्वारा इलाज किया जाता है।

रोगी की सहमति प्राप्त करने के बाद एक दोहरे चैम्बर का स्थायी पेसमेकर प्रत्यारोपित किया गया। ४८ घंटे के बाद, मरीज की अच्छे परिणाम के साथ ड्रग इएल्युटिंग स्टेंट (डीइएस) का उपयोग कर एक सफल कोरोनरी एंजियोप्लास्टी की गई।

उसकी कई बीमारियों और कई उपायों को देखते हुए यह महत्वपूर्ण था कि उसकी रीकवरी के कम और लंबे अंतराल की करीब से निगरानी की जाए। रोगी के लिए केयरलिंक डिवाइस लगाने सलाह दी जो किसी प्रत्यारोपित हृदय डिवाइस से चिकित्सक के पास एक मांनक फोन लाइन पर डेटा भेजने देता है जैसा कि अपने मूल देश की स्वास्थ्य सुविधाएँ विदेश में सीमित थी। इस प्रकार रोगी की उसके अस्पताल में रहने, यात्रा के दौरान बेतार तरीके से निरंतर नजर रखी गई।

डॉ अजय नाईक
MD, DM, DNB, FACC, FHRS
Cardiac Arrhythmia & Heart Failure Management Specialist
Cedars Sinai Medical Center, Los Angeles (USA)
Fellow of American College of Cardiology (USA)
Fellow of Heart Rhythm Society (USA)
कार्डियाक इलेक्ट्रोफिजियोलॉजिस्ट और इंटरवेंशनल कार्डियोलॉजिस्ट

बायपास सर्जरी के पहले केरोटिड धमनी की एन्जियोप्लास्टी

एक ५६ वर्ष का पुरुष सीम्स मे गंभीर सीने के दर्द के साथ भर्ती किया गया । उसका तीव्र इन्टिरीयर वाल मायोकॉर्डीयल इनफारकशन (बडा हार्ट अटैक) का निदान किया गया। उसका इकोकार्डियोग्राम कम इजेक्शन फ्रेक्शन (दिल की कम पम्पिंग) सुझाता था। उसको तुरंत एंजियोप्लॉस्टी की गई जिससे तिगुनी वाहिका रोग का पता चला। उसकी एक धमनी (१०० प्रतिशत रुकावट) पूरी तरह से अवरुद्ध थी और केवल उसी की वजह से उसे हार्ट अटैक विकसित हुआ।

अब हमारे पास दो विकल्प थे, या तो १०० प्रतिशत अवरुद्ध शिरा की एंजियोप्लास्टी कर एक महीने के बाद दूसरी शिरा की (दूसरी शिरा एंजियोप्लास्टी के लिए उपयुक्त नहीं थी) कर बॉयपास सर्जरी करें या अवरुद्ध शिरा को बिना स्टेंट रखे (और अवरुद्ध शिरा के कारण हृदय रोगों से संबंधित दर्द और हृदय की मांसपेशी के और अधिक नुकसान को रोकने के लिए) बलून से खोल लें और ३-४ दिन के बाद बॉयपास सर्जरी करें। हमने दूसरा विकल्प चुना। उसकी अवरुद्ध शिरा को अच्छे बाहरी का प्रवाह के साथ बलून फैलाकर खोला गया। उन्हे तत्काल दर्द से राहत हुई और अवलोकन के लिए आयसीयु में स्थानांतरित कर दिया गया। ३-४ दिनों के बाद उनकी बॉयपास सर्जरी की योजना बनाई गई थी।

Critical stenosis of left coronary arteries

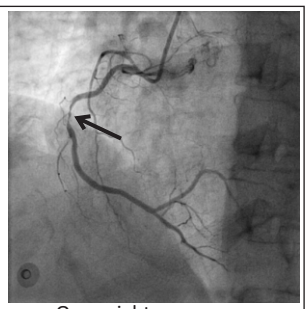
Open right coronary artery after balloon dilatation

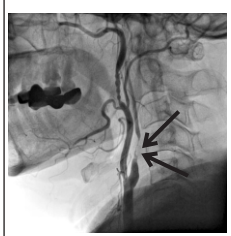
Critical stenosis of right carotid artery

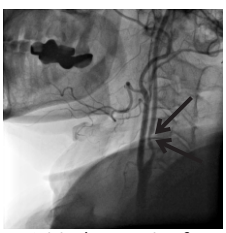
Critical stenosis of left carotid artery

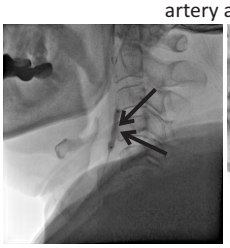
Balloon dilatation of right carotid artery

Post angioplasty right carotid artery (completely open right carotid artery)

बॉयपास सर्जरी करने से पहले की गई जाँच बताती है कि गंभीर ब्लॉकेज (९९ प्रतिशत दाँयी और ९० प्रतिशत बाँयी) दोनों केरोटिड धमनियों (केरोटाईड धमनी वह रक्त वाहिनी है जो मस्तिष्क को रक्त प्रदाय करती है) में है । (हर व्यक्ति को केवल दो केरोटाईड धमनिया होती है)। अगर उन रोगीयों की बॉयपास सर्जरी की जाती है जिनको पहले से ही केरोटाईड धमनी में गंभीर अवरोध है तो सर्जरी के दौरान स्ट्रोक (पैरालिसीस) का होने की बहुत ज्यादा संभावना होती है।

इस कठिन स्थिति की चर्चा सीम्स हॉस्पिटल के सभी कार्डियोलॉजिस्टों और कार्डियोथोरासीक सर्जनों से की गई थी। सघन चर्चा और नेट पर उपलब्ध साहित्य की समीक्षा (विश्व में इसी प्रकार की स्थिति के रोगीयों के केस की समीक्षा) कर यह निश्चित किया गया हम दाहिनी केरोटिड में एंजियोप्लॉस्टी करें (जो ९९ प्रतिशत बंद हुई थी) और उसके बाद बॉय पास सर्जरी करें। दाहिनी केरोटीड में एंजियोप्लॉस्टी सफल हुई और बेहतरीन परिणाम आया। रोगी को अस्पताल से तीसरे दिन ही दोहरी एंटीप्लेटलेट (एस्पेरीन और क्लोपिडोग्रेल)दवाई के साथ छुट्टी दे दी गई। उसे एक माह बाद बॉयपास सर्जरी के लिए तैयार रहने का परामर्श दिया गया। एक माह बाद, रोगी की सफलतापूर्वक बॉयपास सर्जरी की गई । अस्पताल से किसी भी जटीलता के बग़ैर १०वें दिन छुट्टी दे दी गई। उसे परमर्श दिया गया कि समय अंतराल में दूसरी केरोटिड धमनी (जो ९९ प्रतिशत बंद हुई थी) की एंजियोप्लास्टी करवा लें।

चर्चा और सीख : बॉयपास सर्जरी की एक बडी जटिलता सेरीब्रल स्ट्रोक (पैरालिसीस/लकवा) होना है। उन रोगीयों में ख़तरा और भी ज्यादा होता है जिनको पहले से किसी या दोनों केरोटिड धमनी में स्टेनोसिस है। बॉयपास सर्जरी करने से पहले केरोटिड धमनी में स्टेनोसिस के लिए हमारे सभी रोगीयों के लिए प्रोटोकॉल बनाया है।

बॉयपास सर्जरी की जाने वाले रोगी में बडे स्टोक (पैरालिसीस) को रोका जा सके उसके लिए बॉयपास सर्जरी करने से पहले उचित निदान और सही कदम लिए जाते है।

डो. सत्य गुप्ता
MD, DM Cardiology (CMC Vellore)
Fellow in Interventional Cardiology (France)
Fellow European Society of Cardiology (FESC)
रेडियल इंटरवेन्शन के विशेषज्ञ

हृदय और धड़कन
वर्ष-4, अंक-47, नवम्बर 20, 2013

एन्जियोग्राफी सिर्फ़ सात सेकण्ड में

हार्ट अटैक मतलब ऐसा कहा जा सकता है कि हृदय पर रोग का अचानक होनेवाला हमला । जब व्यक्ति को हार्ट अटैक आता है तब उसका एक-एक क्षण किंमती होता है। ऐसे संकट के समय में अच्छी सुविधायुक्त हॉस्पिटल में मरीज़ों को लाना चाहिए। अब तक के अत्याधुनिक समय में विश्व की सबसे तेज़ एंजियोग्राफी मशीन (फिलिप्स एक्सपर टेक्नोलॉजी) उपलब्ध है। यह मशीन स्वयं का कार्य बहुत ही तेज गति से पूरा करती है और सिर्फ सात सेकन्ड में ही एंजियोग्राफी के फोटो ले सकती है। दुसरे श्ब्दों में कहे तो एक से पाँच मिनिट में ही अत्याधुनिक एंजियोग्राफी मशीन का प्रयोग कर मात्र सात सेकंड में एंजियोग्राफी करना अब संभव हैं। आज के तेज युग में मरीज़ को तेजी से सुविधा मिल जाए उसके लिए सीम्स हॉस्पिटल हमेश तत्पर रहताहै। इसके अलावा एंजियोप्लॉस्टी के अच्छे परिणामो के लिए स्टेंट बुस्ट टेक्नोलॉजी का उपयोग किया जाता है। जिससे एंजियोप्लास्टी के परिणाम बहुत ही अच्छे आते है।

आज के समय में जब दिन प्रतिदिन भारतवासियों में हृदयरोग की संख्या और हृदय रोग के हमले की संख्या बढ़ रही है । तब अगर थोडे समय में ही हृदय रोग के हमले से गुजरे व्यक्ति की एंजियोग्राफी से, थोडे ही समय में उसका निदान किया जाय तो मरीज़ को शीघ्र उपचार से उसे नया जीवन मिल सकता है।

IVUS गाइडेड - गंभीर LAD ब्लॉकेज़ का एक केस बॉयोरिसोर्सेबल वैस्क्युलर स्कैफोल्ड (BVS) के साथ वापस किया

केस प्रस्तुति :

एक ६२ वर्षिय पुरुष मरीज़ को पिछले तीन महीनों से सांस की शिकायतों के साथ सीम्स हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था।

निदान और प्रबंधन :

एंजियोग्राफी की रिपोर्ट के बाद, इंटरवेंश्न ने संपूर्ण ऑकुल्डेड डिस्टल लेफ्ट सर्कम फ्लैक्स आर्टरी (LCX), लेफ्ट एंटेरियर डेसेंडीग (LAD) और ८० प्रतिशत समीपस्थ दॉंयी कोरोनरी आर्टी (RCA) में घाव होने का परामर्श दिया था। आरसीए घाव की डीईएस के साथ सफल स्टॉटिंग पहले चरण में की गई थी। जैसा कि एलएडी ३ अनुक्रमिक घावों (चित्र १) को बताता है कि वह बाहर का भाग में विस्तरीत हुआ है तो बॉयोरिवर्सिबल वैस्क्युलर स्कैफोल्ड (BVS) की नवीनतम तकनीक से प्रत्यारोपित किया गया । इस जीवन भर एंटीप्लेटलेट्स थेरेपी में कोई भी धातुं धमनी में नही होती है और भविष्य में आवश्यक हो तो किसी भी शल्य चिकिस्ता या प्रक्रिया, और उस क्षेत्र में प्राकृतिक स्थिति में आर्टेरल रीमॉडलिंग के बहुत सारे विकल्प खुले रहते है। कुल ३ ओवरलैपिंग बीवीएस का प्रयोग कर स्टॉटिंग एलएडी के साथ सफल पीटीसीए किया गया था।

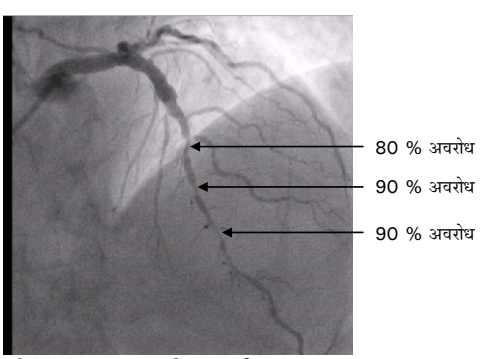

चित्र-१ : एलएडी अवरोध

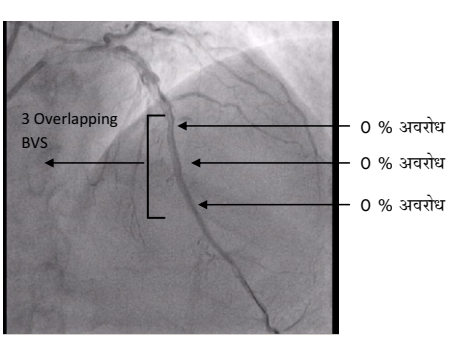

चित्र २ : ३ ओवरलैपिंग बीवीएस के साथ इंटरवेंश्न के बाद एलएडी

परिणाम :

ऑपरेशन के बाद मरीज़ का हॉस्पिटल कोर्स सामान्य था। डिस्चार्ज के समय मरीज़ हिमोडायनामिक रुप से स्थिर था।

डॉ. विनीत सांखला
MD, DM - Cardiology (CMC Vellore)
Fellow - Mayo Clinic, Rochester, USA
इन्टरवेन्शनल कार्डियालॉजीस्ट

सीम्स कार्डियोलॉजी

सीम्स कार्डियोलॉजी एशिया में सबसे बड़े ग्रुप प्रैक्टिस वाले अनुभवी कार्डियोलॉजिस्ट की समर्पित टीम द्वारा चलाया जाता है जो सघन और गुणवत्ता युक्त उपचार प्रदान करते है। उनके संकलित अनुभव और तकनिकी कौशल्य के साथ विभाग एक महिने में ६००-७०० कोरोनरी प्रक्रियाएँ करता है जो हृदय और रक्तवाहिनियों से संबंधित, सामान्य से ले कर जटिल, सभी प्रकार के उपचार प्रदान कर उसे विश्व के सबसे बड़े कार्डियाक सेंटरों में से एक बनाता है।

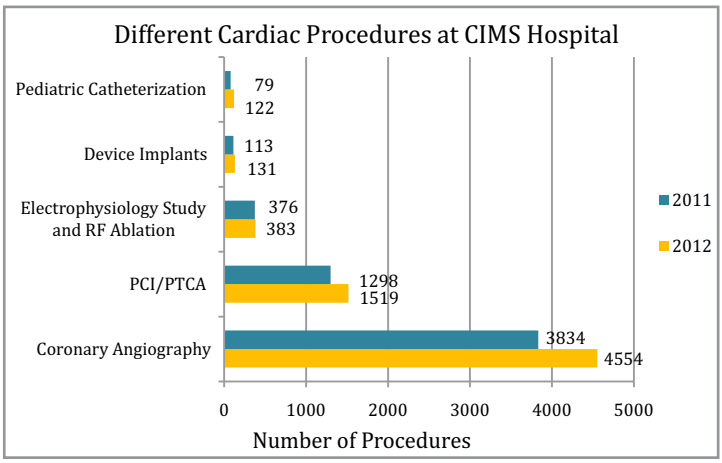

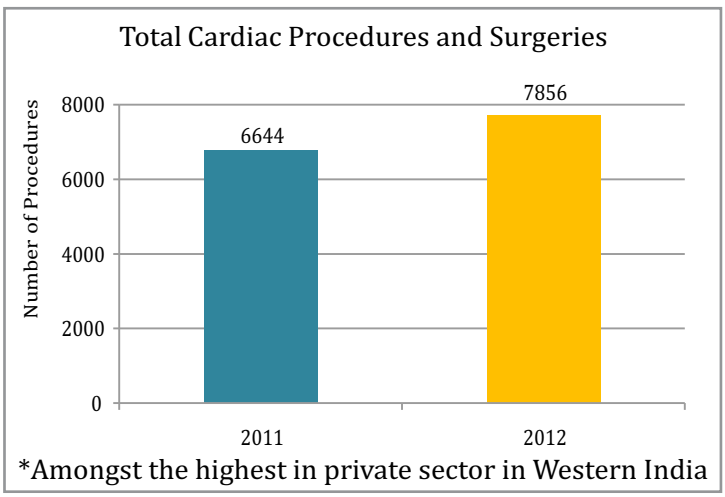

गुजरात में और संभवत पश्चिम भारत में पहली बार छ एब्सोर्बेबल स्टेंट का सीम्स में प्रत्यारोपण

सीम्स हॉस्पिटल की कार्डियोलॉजी टीम की उपलब्धि

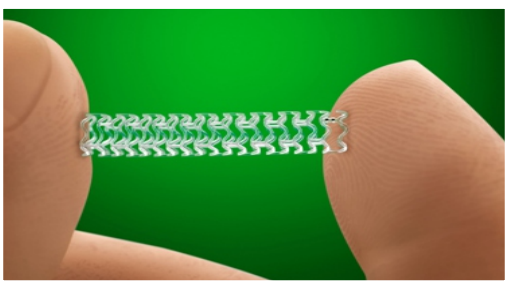

एबजॉर्बेबल स्टेंट के फायदे

- एक मरीज़ पर बॉयो एबजॉर्बेबल स्टेंट का प्रयोग सफल होने से बॉयपास ऑपरेश्न टाला जा सकता है
- क्रांतिकारी प्रौद्योगिकी से रक्तवाहिनी में फिर से ब्लॉक होना बंद दोता है
- धातु के स्टेंट की तुलना में शेषित जैविक स्टेट के प्रयोग से रक्तवाहिनी की प्रकृतिक स्थिती पुन प्राप्त होती है ।
- रोगी को रक्तवाहिनी में फिर से क्लोट जम ना जाय उसकी दवाई कम लेनी पडती है।
- यह जैविक स्टेंट रक्तवाहिनी में आरोपण होने के थोडे महिने में उसमे शेषित हो जाता है और संपूर्ण रुप से अदृश्य हो जाता है। इस नई मेडीकल तकनिक का प्रयोग करने से रोगी को लंबे समय के लिए बहुत कम रक्त पतला करने की दवाई लेना पडती है।

मुंबई के ५३ वर्ष के सदगृहस्त रोगी पर डॉ. केयूर परीख द्वारा सीम्स हॉस्पिटल में एक साथ छह एब्सोर्बेबल स्टेंट डालना यह गुजरात के लिए बहुत ही गर्व की बात है।

डॉ. केयूर परीख
MD (USA) FCSI (India) FACC, FESC, FSCAI
इन्टरवेन्शनल एन्जियोलॉजीस्ट
इन्टरवेन्शनल कार्डियोलॉजीस्ट

हृदय और धड़कन
वर्ष-4, अंक-47, नवम्बर 20, 2013

सीम्स में कॉरोनरी इन्टरवेन्शन और ऐन्जियोप्लास्टी की योग्यता

सिम्स में एक्सेस के लिए रेडियल आर्टरी के उपयोग पर जोर दिया जाता है। हाँलाकि यह प्रक्रिया थोड़ी लंबी है और कॉर्डियोलॉजिस्ट को रेडिएशन के संपर्क में ज्यादा रहना होता है, फिर भी रेडियल एक्सेस स्थान से फीमोरल प्रक्रिया की तुलना में रोगी में कम जटिलताएँ अनुभव की जाती है। इसके अलावा उससे जल्दी एम्ब्युलेशन संभव होता है और यह मोटे लोगों में विशेष तौर पर प्रभावशली होता है।

परक्युटेनियस कॉरोनरी इंटरवेंशन के लिए सिम्स प्रादेशिक, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय रेफरल केन्द्र है।

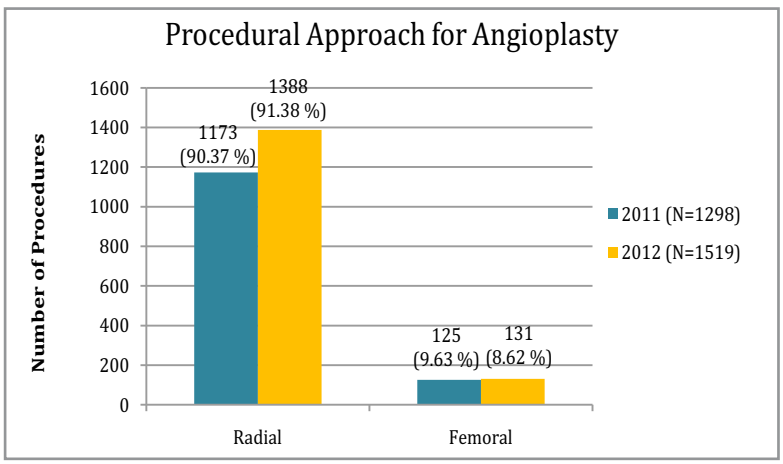

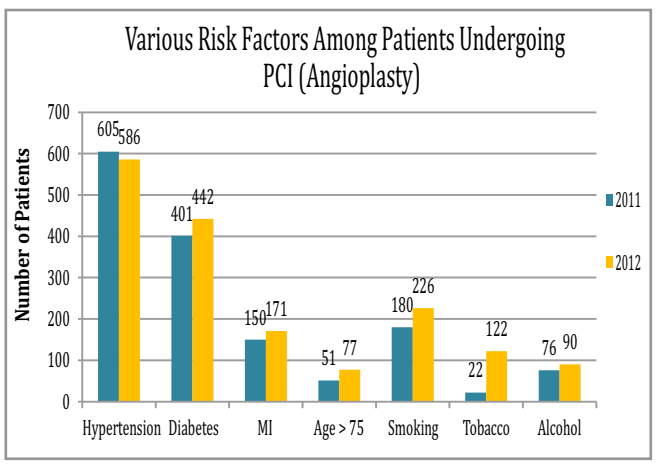

६२ साल के रोगी में हार्टअटैक और जन्मजात बीमारी का ईलाज बग़ैर ऑपरेशन - एन्जियोप्लास्टी द्वारा

६२ साल की सौराष्ट्र की एक महिला में जन्म से हृदय के पर्दे में छेद था और वह ऑपरेशन करने के ख़तरे से डरती थी। ५ वर्ष से डायबिटीज भी प्रांरभ हो गई थी और उसके कारण हृदय की मुख्य धमनी संकिर्ण होने से हार्ट अटैक आया। तुरंत हॉस्पिटल में पहुँच कर निदान करवाया तो पता चला कि हृदय की अग्र मुख्य धमनी ९९ प्रतिशत संकीर्ण हो गई है। साथ में उपर के दोनों ख्याने (Atrium) के बीच के पर्दे में छेद था (Atrial Septal Defect), जिसके कारण शुद्ध रक्त अशुद्ध रक्त में मिल जाता था और हृदय और फ़ेफडे कमजोर हो रहे थे।

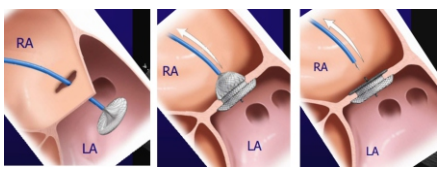

मरीज़ को ईलाज़ के लिए सीम्स हॉस्पिटल में भर्ती किया गया। दोनों बीमारियों का ईलाज़ बग़ैर ऑपरेशन एक साथ हो गया। अग्र मुख्य धमनी की ९९ प्रतिशत संकिर्णता को एंजियोप्लॉस्टी द्वारा दवाईयुक्त स्टेंट रख कर दुर किया गया और रक्त प्रवाह फिर से सामान्य किया गया। उस समय, ऑपरेशन के बिना, हृदय के पर्दे को बटन जैसे उपरकरण (ASD Closure Device) से बन्द करने से उसकी ६२ वर्ष की जन्म जात बीमारी का ईलाज़ भी ऑपरेशन के बिना उसी समय हो गया और रोगी को २ दिन में ही छुट्टी मिल गई। इस प्रकार की जन्मजात बीमारी और हार्ट अटैक की बीमारी एक साथ एक ही मरीज में बिरले ही दिखाई देती है और उसका उपचार भी ऑपरेशन के बिना एक साथ सफलता से होना यह भी कभी कभार होता ईलाज है।

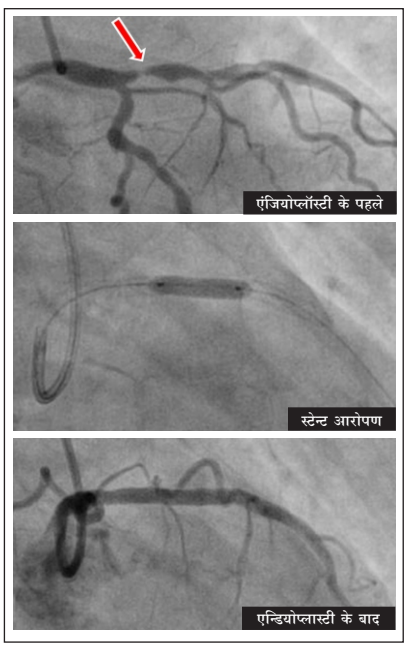

डॉ. मिलन चग
MD, DM, DNB
इन्टरवेन्शनल कार्डियोलॉजीस्ट

हृदय रोग में घात गई वह जीता है - तुरंत उपचार की सहायता से

बडे सवेरे मेरे एक डॉक्टर दोस्त का फोन आया कि मेरी पहचान वाला एक रोगी जो मेरे हॉस्पिटल में है जिनका अचानक हृदय बंद हो गया है। मैंने तुरंत सीम्स हॉस्पिटल की एम्बुलेंस एनेस्थेटिस्ट डॉक्टर और उसकी एक्सपर्ट टीम के साथ रवाना की। जब टीम रोगी के पास पहुँची तब रोगी का हृदय बंद हो गया था और वहाँ के डॉक्टरने कार्डियाक मसाज़ देकर हृदय को चालू किया था परंतु हृदय की धडकन केवल ३० ही थी। तुरंत उस रोगी को वेंटीलेशन पर ले कर लाईफसेविंग इंजेक्शन दे कर सीम्स हॉस्पिटल के कैथलैब में स्थानांतरित किया गया और तुरंत हृदय की धडकन बढाने का पेसमेकर पैर की नस में रखा गया। इस बीच दो बार उसका हृदय बंद हुआ और मसाज दे कर चालू किया गया । कार्डियोग्राम हृदयरोग का भारी अटैक आया हो ऐसा दिखाता था। एंजियोग्राफी में उसकी दाँयी ओर की मुख्य नली में रक्त का थक्का जम जाने के कारण संपूर्ण बंद हो गई थी (फोटो १) तुरंत एक सक्शन केथेटर रख कर और रक्त का थक्का निकालने में आया (फोटो २) और वहाँ स्टेंट लगाया गया (फोटो ३)।

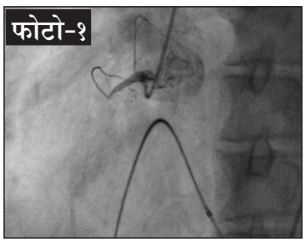

रक्त के गट्ठे से बन्द हुई दाँयी ओर की मुख्य नली और धड़कन के लिए पेसमेकर वायर

सक्शन केथेटर द्वारा नली में से बहार निकाला रक्त का गट्ठा

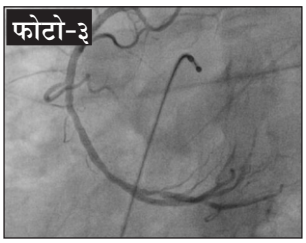

रक्त का गट्ठा निकाल कर स्टेंट रखा गया बाद की खुली हुई नली

उनका ब्लड प्रेशर शुरु में कम था जो धीरे धीरे सामान्य हो गया। उस समय हमें यह चिंता थी कि जब उनका हृदय बंद हुआ तब मस्तिष्क में रक्त न पहुँचने के कारण उनके मस्तिष्क में ज्यादा नुकसान तो नहीं हुआ है। रोगी को आयसीयु में शिफ्ट किया गया। उसके रिश्तेदार मेरे पास आये और कहने लगे कि किसी भी प्रकार उन्हे बचाईयें। उस वक्त मेरे लिए भी यह कहना मुश्किल था वें सामान्य होंगे कि नहीं।

उस रोगी को आखरी तीन दिन से सीने में दर्द था जो अटैक के पहले के चिह्न जैसा था। डॉक्टर ने तुरंत एंजियोग्राफी की सलाह दी थी परंतु उसके घर में सामाजिक अवसर होने से एंजियोग्राफी करवानेका सप्ताह के बाद सोचा गया था। वो ५८ साल का रोगी थे जिसने पूरी ज़िदगी सर्विस की थी और दो महिने में रिटायर्ड होने के बाद ज़िदगी का लुत्फ उठाने वाला था ।

१२ घण्टे बाद आयसीयु में उसे होश आया, कॉर्डियोग्राम, ब्लड पैशर और धडकने नियमित हो गई थी। चौथे दिन उसे छुट्टी दे दी गई। इस बात को आज ३ साल हो गए है आज भी रोगी मुझे नियमित दिखाने आते है और रिटायर्ड लाईफ का परिवार के साथ मजा ले रहे है। दो बार विदेश भी जा कर आया है। हर दिवाली वे मुझे धन्यवाद देते है कि यह दिवाली मै आपके कारण देख सका हूँ। उसके रिश्तेदार हर समय मुझे कहते है साहब हम बच गए नही तो एक परिवारिक प्रसंग के लिए एंजियोग्राफी करवाने में देर करते तो उसमे बहुत से पारिवारिक प्रसंग मे उपस्थित न हो सकते थे और उसने महसूस किया कि तुरंत उपचार समय पर मिल जाए तो हृदय की बीमारी में भी लंबी एक्टिव ज़िदगी जी सकते है। जैसा कि कहते है कि घात गई वह सौ साल जीता है वो यहाँ सार्थक हुआ है।

डॉ. उर्मिल शाह
MD, DM
इन्टरवेन्शनल कार्डियोलॉजीस्ट

ड्रग इल्युटिंग स्टेंट का उपयोग करके सभी तीन प्रमुख हृदय धमनियों में जटिल एंजियोप्लास्टी

केस प्रस्तुति : एक ६८ वर्षीय पुरुष रोगी, जिसको पिछले १० सालों से डायबिटीस थी । सीने में दर्द और १ वर्ष से चलने पर सांस लेने की तकलीफ में पिछले ४ दिनों से तीव्रता में वृद्धि होने की शिकायत के साथ सीम्स में प्रस्तुत किया गया।

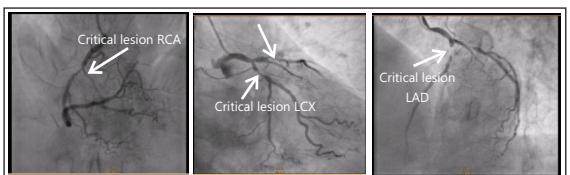

प्रक्रिया के पहले

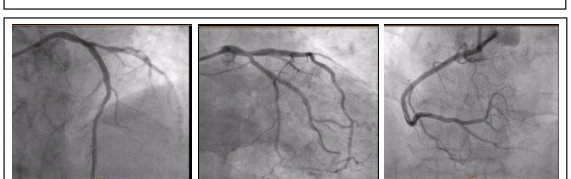
प्रक्रिया के बाद

निदान और प्रबंधन : २ डी इको सामान्य हृदय कार्य दर्शाता है। एंजियोग्राफी में सभी तीन प्रमुख हृदय धमनियों में अवरोध होने पता चला। रोगी को सभी तीन प्रमुख हृदय धमनियों की बॉयपास सर्जरी या एंजियोप्लास्टी की सलाह दी गई। सभी तीन प्रमुख धमनियों की औषधीय स्टेंट का उपयोग कर एक ही शिफ्ट में सफलतापूर्वक एंजियोप्लास्टी की गई । १ साल के फॉलो-अप के बाद रोगी अच्छी तरह से है ।

चर्चा : चुनिंदा मामलों में बॉयपास सर्जरी के बजाय एक अच्छा गैर सर्जिकल विकल्प मल्टिपल ब्लॉकेज एंजियोप्लास्टी हो सकता है।

डॉ. हेमांग बक्षी
MD, DM
इन्टरवेन्शनल कार्डियोलॉजीस्ट

हृदय और धड़कन
वर्ष-4, अंक-47, नवम्बर 20, 2013

दरवाजे से बलून समय

एसटीएलिवेशन मायोकार्डियल इंफार्कशन(एसटीईएमआय) वाले रोगीयों के लिए आपातकालिन विभाग में आने के ९० मिनट में बलून इंफिलेशन करने की पीसीआई (एंजियोप्लास्टी) एसीसीएएचए प्रैक्टिस गाईडलाईन परामर्श देती है. समय से पहले रीपरफ्युज़न करवाने से मोर्बीडीटी और मोर्टालिटी का ख़तरा कम होता है। सीम्स में हम इसे औसतन ५० मिनिट से कम समय में पूरा कर देते है।

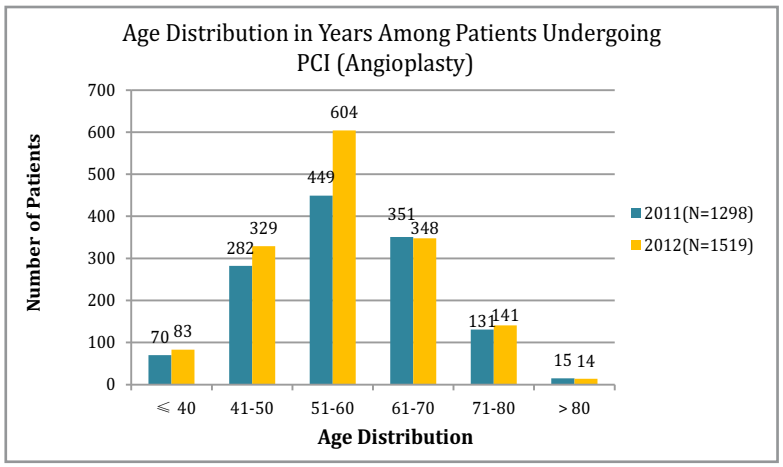

As compared to 2011, in 2012 there was 34.53 % increase in PCI in the age group of 51-60.

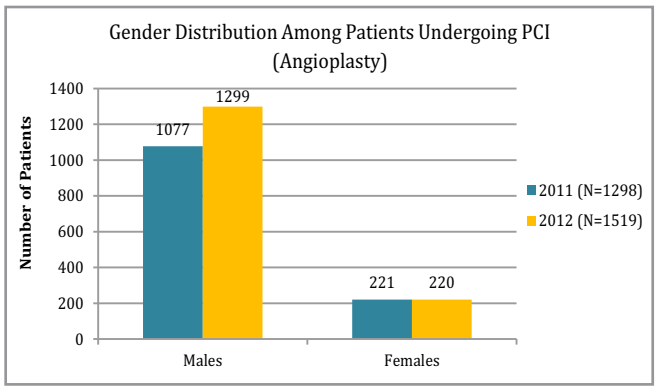

Proportion of male patients undergoing catheterization was higher as compared to females in 2012 as compared to 2011.

मस्तिष्क को रक्त पहुँचाती नस की एंजियोप्लास्टी

एक दिन रमणभाई (नाम बदला गया है) मुझे दिखाने के लिए आए। उनकी उम्र ६५ वर्ष थी और १० वर्ष से ज्यादा समय से उनको हाई ब्लड प्रेशर और डायबिटीज थी। वें नियमित दवाई लेते थे, परंतु जैसे कि अधिकांश प्रकरणों मे होता हैं, ब्लड प्रेशर और शुगर पर जैसा चाहिए, उस तरह का नियंत्रण प्राप्त नहीं कर सके। २ वर्ष पहले हार्ट अटैक आया था और ३ महिने पहले हृदय की धमनी की एंजियोप्लास्टी करवा कर स्टेंट लगाए थे। बदनसीबी ने उनका पीछा न छोडा। १५ अगस्त, २०१३ को उनको लकवा लगने से उनके शरीर का दाँया भाग अचेतन हो गया। अच्छा उपचार मिलने से थोड़े दिनों में ही अच्छी तरह से चलने लगे। ज्यादा ध्यान देना प्रारंभ किया और न्युरो फिज़िशियन की सलाह के अनुसार सब दवाईयाँ नियमित लेते थे। बीस दिनों में ही उनको फिर ब्रेन स्ट्रोक आया और शरीर के दाँये भाग में कमजोरी आई। इस अवस्था में उन्हे सीम्स हॉस्पिटल में भर्ती किया गया ।

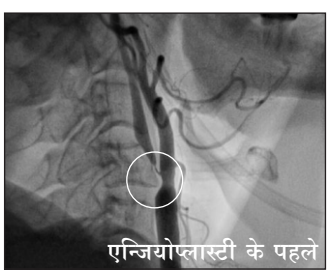
एन्जियोप्लास्टी के पहले

एन्जियोप्लास्टी के बाद

हमने उनके रक्त परिक्षण, इसीजी, इकोकॉर्डियोग्राही और सीटी एंजियोग्राफी जैसे परिक्षण कराये। इससे जानने को मिला कि मस्तिष्क को रक्त पहुँचाती दाँयी ओर की धमनी (केरोटिड आर्टरी) में ९५ प्रतिशत अवरोध है, और रोगी को दवाई लेने के बावजूद बार बार स्ट्रोक/टी.आई से आने का कारण भी यही है।

कार्डियोलॉजिस्ट, वास्क्युलर सर्जन, न्युरो फिज़िशियन और इंटेंसिविस्ट की संयुक्त टीम द्वारा रोगी और संबंधियो को समय पर केरोटिड सर्जरी या एंजियोप्लास्टी कराने की सलाह दी गई और उसके फायदे और ख़तरे को विस्तारपूर्वक समझाया गया। डायबिटीज, हृदय की ब्लाक नली और कमजोर हृदय, इन सब कारणों की उपस्थिती में केरोटिड एंजियोप्लास्टी तुलना में कम ख़तरे वाली , सरल और अच्छे परिणाम देती प्रक्रिया है।

विज्ञान और प्रौद्योगिकी के समन्वय से, कुशल चिकिस्तक द्वारा की जाती मस्तिष्क की धमनी की एन्जियोप्लास्टी बहुत उपयोगी है

डॉ. अनिश चंदाराणा
MD, DM
इन्टरवेन्शनल कार्डियोलोजिस्ट

CIMS

पश्चिम भारत का प्रथम अत्याधुनिक

रेडियल एन्जियोग्राफी लॉन्ज

सीम्स हॉस्पिटल की एयर कन्डीशन्ड लॉन्ज में रेडीयल एन्जियोग्राफी के मरीज़ों के लिए सुविधाजनक १३ रिक्लाइनर चेयर और उसके अलावा सोफासेट, विशाल टीवी, वाई-फाई झोन और कॅफेटेरिया सहित अनेक सुविधाएँ मुहैया की जाती है।

एन्जियोग्राफी के बाद दो से तीन घण्टे में मरीज़ को छुट्टी दे दी जाती हैं। रेडीयल लॉन्ज में मरीज़ मेग़जीन पढ़ सकते है, टीवी देख सकते है, संगीत सुन सकते है और जरुरत होने पर वाई-फाई झोन में लैपटॉप पर काम भी कर सकते है। सुविधाजनक रिसायक्लिनर चेयर में राहत महसूस करते हुए वें पौष्टिक नास्ता और भोजन भी प्राप्त कर सकते है। हरियाले वातावरण में व्यक्ति ज्यादा राहत महसूस करता है। इस बात को ध्यान में रखते हुए रेडियल लॉन्ज के भीतर हरियाला वातावरण बना हुआ है।

हृदय और धड़कन
वर्ष-4, अंक-47, नवम्बर 20, 2013

रीनल डीनरवेशन अनियंत्रित उच्च रक्तचाप के रोगियों के लिए अभिनव उपचार विकल्प

परिचय

उच्च रक्तचाप एक प्रमुख और बढ़ती वैश्विक सार्वजनिक स्वास्थ्य चिंता का विषय है। एक अनुमान के अनुसार विकसित विश्व में वयस्क आबादी के ३०-४० प्रतिशत लोग इस हालत से ग्रस्त है। कई सुरक्षित और प्रभावी औषधीय चिकित्सा की उपलब्धता के बावजूद, रक्तचाप पर नियंत्रण रखने के पर्याप्त दिशनिर्देश प्राप्त करते मरीजों में लक्ष्य मूल्य कम रहता है और अनियंत्रित मरीज़ को बढते हृदय जोखिम में छोड़ दिया जाता हैं। पर्याप्त रक्तचाप पर नियंत्रण पाने के लिए औषधीय रणनीति की ज्यादातर विफलता चिकित्सक की जड़ता और एक मुख्य रुप से स्पर्शोन्मुख रोग के लिए आजीवन औषधीय चिकित्सा के साथ मरीज़ की हठ से पालन न करना को इन दोनों को जिम्मेदार माना जाता है। इसलिए, उच्च रक्तचाप के प्रबंधन के लिए नए दृष्टिकोण का विकास एक प्राथमिकता है, जो इन मुद्दों पर काबू पाने में मदद कर सकता है, ख्रासकर उन लोगों के लिए जिनको ऐसे मामले आए हो।

रीनल डीनर्वेश्न सिस्टम

रीनल डीनर्वेश्न सिस्टम में एक रीनल डीनर्वेश्न सिस्टम नामक तकनीक का उपयोग चुनिंदा अति सक्रिय गुर्दे की तंत्रिकाओं को शान्त करने के लिए किया जाता है।

इससे रक्तचाप को जन्म देते गुर्दे से निकलते हार्मोन में कमी आती है और हृदय, गुर्दों और रक्त वाहिकाओं को आगे आनेवाले नुकसान से बचाता है। यह प्रणाली डॉक्टरों को अनियंत्रित उच्च रक्तचाप के लिए एक अभिनव उपचार के विकल्प निम्न कई लाभ के साथ प्रदान करती है(कोलन)

- रक्तचाप में महत्वपूर्ण कमी
- सुरक्षित, छोटा उपचार जिसमें सामान्य एनेस्थेश्या की आवश्यकता नहीं होती है
- न्यूनतम जटिलताओं के साथ तेजी से सुधार

सिम्प्लिसीटी™ रीनल डीनर्वेश्न

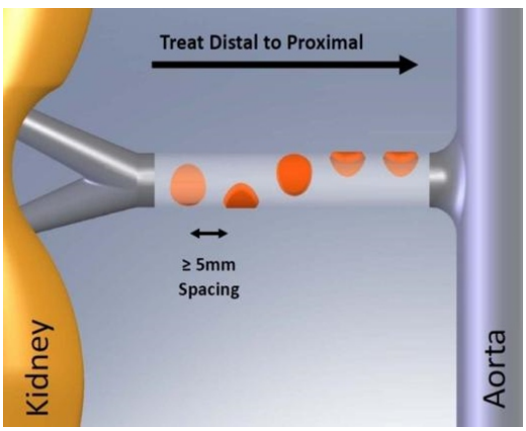

मेडट्रॉनिक इंकॉ ने रीनल डीनर्वेश्न प्राप्त करने के लिए एक न्यूनतम इनवेसिव साधन के रूप में सिम्प्लिसीटी रीनल डीनर्वेश्न रीनल डीनर्वेश्न प्रणाली विकसित की है। यूरोप में, सिम्प्लिसीटी डिवाइस ने २०१० में सीई मार्क अनुमोदन प्राप्त किया। सिम्प्लिसीटी प्रणाली अप्रैल २०१० में व्यावसायिक तौर पर शुरु की है और यूरोप, एशिया, अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अमेरिका के कुछ हिस्सों में वर्तमान में उपलब्ध है ।

सिम्प्लिसीटी रीनल डीनर्वेश्न प्रणाली का उपयोग कर आरडीएन चिकित्सा संभावित जटिलताओं और साइड इफेक्ट का बहुत कम भार वहन करती एक सुरक्षित, कम आक्रामक और अधिक चुनिंदा तकनीक है । सिम्प्लिसीटी रीनल डीनर्वेश्न प्रणाली आशाजनक परिणाम दर्शती है और इसे प्रमुख चिकित्सा सम्मेलनों में और अंतरराष्ट्रीय चिकित्सा पत्रकिाओं में चित्रित किया गया है। क्लीनिकल अनुसंधान दर्शते है कि सिम्प्लिसीटी रीनल डीनर्वेश्न प्रणाली के साथ रीनल डीनर्वेश्न कई एंटीहायपरटेंसिव दवाओं के साथ अनियंत्रित रक्तचाप के रोगियों के लिए रक्तचाप के स्तर में सुरक्षित, बेहतर, और निरंतर कटौती प्रदान कर सकता हैं। इस शोध में सिम्प्लिसीटी एचटीएन ११ और सिम्प्लिसीटी एचटीएन २२ क्लिनिकल परीक्षण भी शमिल है ।

सिम्प्लिसीटी रीनल डीनर्वेश्न प्रणाली का एक बेजोड़ सुरक्षा रिकॉर्ड है। सिम्प्लिसीटीएचटीएन १ और एचटीएन २ चिकित्सीय परीक्षण दोनों में निम्न है :

- कोई गंभीर डिवाइस या प्रक्रिया संबंधित घटनाएँ नहीं
- ६ महीने में इमेजिंग के माध्यम से उपचार स्थल पर कोई वैस्क्युलर चोट/ स्टेनोसिस का कोई सबूत नहीं
- कोई ऑर्थोस्टैटिक या इलेक्ट्रोलाइट ग़डबड़ी नहीं
- यथावत रीनल फंक्श्न (ईजीएफआर और क्रिएटिनिन)

भारत में सिम्प्लिसीटी रीनल डीनर्वेश्न प्रणाली

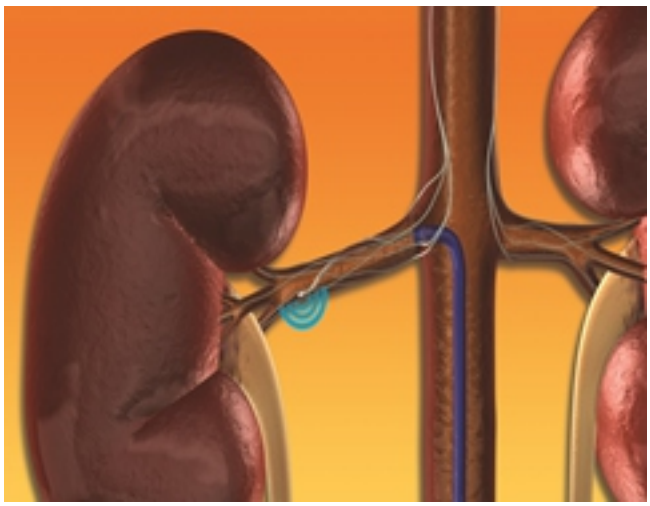

सिम्प्लिसीटी रीनल डीनर्वेश्न प्रणाली भारत में व्यावसायिक रुप से उपलब्ध नहीं है, इसे डीसीजीआई की मंजूरी के तहत एक चिकित्सीय परीक्षण सेटिंग में इस्तेमाल करने के लिए एक अनुसंधानात्मक डिवाइस के स्त्र में माना जा रहा है। भारत में सिम्प्लिसीटी चिकित्सीय परीक्षण अनियंत्रित उच्च रक्तचाप के रोगियों में अनियंत्रित उच्च रक्तचाप के इलाज में रीनल डीनर्वेशन की प्रभावकारिता और सुरक्षा का मूल्यांकन करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। भारत में यह अध्ययन इंडिया मेडट्रोनिक्स प्राईवेट लिमिटेड द्वारा सिम्प्लिसीटी रीनल डीनर्वेशन प्रणाली को बाजार अनुमोदन प्राप्त करने के लिए एक पूर्व बाजार परीक्षण आयोजित किया जा रहा है।

सीम्स हॉस्पिटल में रिनल डीनर्वेश्न प्रणाली

सीम्स हॉस्पिटल भारत में बारह केन्द्रों में से एक है जहाँ आरडीएन प्रक्रिया एक चिकित्सीय परीक्षण स्थापना के स्त्र में की जाएगी। भारत में आयोजित होने वाली पहली आरडीएन प्रक्रिया सफलतापूर्वक २२ अक्टूबर २०१३ को सीम्स अस्पताल में की गई है।

एक चिकित्सीय परीक्षण भागीदार के स्त्र में, १८ से ८० वर्ष की मध्य आयु वर्ग के मरीज़ इसके पात्र हैं अगर उन्हें एक स्थिरता प्राप्त करने की दवाई के बावजूद स्क्रीनिंग मूलाकात ३ रक्तचाप रीडिंग के औसत के आधार पर १६० mmHg का ऑफिस सिस्टोलिक ब्लडप्रेश्र (एसबीपी) मापा गया हो, और जिनमें से ३ या अधिक उच्च रक्तचाप विरोधी से ग्रस्त दवाओं सहित एक दवाई मूत्रवर्धक होनी चाहिए।

यह कैसे काम करता है?

सिम्प्लिसीटी रीनल डीनर्वेश्न प्रणाली एक छोटे वहनीय उपचार कैथेटर और एक स्व नियंत्रित उपचार डिलीवरी जनरेटर का बना होता है । उपचार में खुली सर्जरी की आवश्यकता नहीं होती है। इसके बजाय, आपका डॉक्टर दो गुर्दे की धमनियों के भीतर एक छोटा चीरा लगा देगा। वितरित ऊर्जा ८ वाट है जो एक फ्लैश लाईट पावर में इस्तेमाल की जाती है उस जैसी होती है। यह ऊर्जा वितरण नसों को बाधित करती है और महीनों की अवधि के लिए रक्तचाप को कम करती है।

हृदय और धड़कन
वर्ष-4, अंक-47, नवम्बर 20, 2013

प्रथम आरडीएन - भारत में पहली बार सीम्स हॉस्पिटल, अहमदाबाद में उच्च रक्तचाप प्रक्रिया के लिए रीनल डीनर्वेशन सफलतापूर्वक पूरा किया गया।

आंकड़ों के अनुसार भारत में उच्च रक्तचाप का प्रसार बढ़ रहा है और दक्षिण पूर्व एशिया में हर साल लगभग १० करोड़ लोगों में से लगभग १५ लाख लोगों को उच्च रक्तचाप मारता है। गंभीर रोग को घेरने के लिए, केयर इंस्टिट्युट ऑफ मेडिकल साइंसेज, मल्टी सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल ने हाल ही में डॉ. केयुर पारिख, डॉ. हेमांग बक्षी और डॉ. अनिश चंदाराणा के साथ सीम्स कार्डियोलोजी टीम द्वारा उच्च रक्तचाप से पीड़ित ४ मरीजों पर रीनल डीनर्वेशन प्रक्रिया पूरा किया गया। इस उपलब्धि के साथ उच्च रक्तचाप के रोगियों पर इस तरह की प्रक्रिया को कार्यांवित करने के लिए सीम्स भारत में पहला अस्पताल बन गया है।

भारत के चिकित्सा इतिहास में इस अपेक्षाकृत नई चिकित्सा के बारे में बोलते हुए डॉ. केयुर परीख ने कहा भारत में रीनल डीनर्वेशन चिकित्सा अपेक्षाकृत एक नई अवधारणा है। सफलतापूर्वक एक निगरानी अध्ययन सेटिंग में आरडीएन कार्यविधि को पूरा करने के लिए भारत में बारह केंद्रों के बीच चिकित्सा पूरा करने के लिए सीम्स हॉस्पिटल को चुनकर देश का प्रथम बनना हमारे लिए एक गर्व का क्षण है। भारत में उच्च रक्तचाप अस्वास्थ्यकर भोजन, अनियमित जीवन शैली के कारण या कभी कभी वंशनुगत समस्याओं की वजह से हर गुजरते दिन के साथ बढता जा रहा है। आरडीएन रीफेक्टरी उच्च रक्तचाप के रोगियों के इलाज के लिए एक कैथेटराइजेशन आधारित इंटरवेंशन है। आरडीएन का ध्येय गुर्दे के संवेदी फाइबर का उच्च आवृत्ति एब्लेशन के साथ यांत्रिक विनाश करना जहाँ आसानी से रीनल धमनी के माध्यम से पहुँचा जा सकता है । लेकिन यह प्रक्रिया केवल प्राथमिक उच्च रक्तचाप से पीड़ित रोगियों के लिए ही मान्य है।

यह भारत में पहला उदाहरण है जब एक मरीज को डीसीजीआई की मंजूरी के तहत, इस न्यूनतम इनवेसिव चिकित्सा के साथ उपचार किया गया है।

अनियंत्रित उच्च रक्तचाप का एक ज्ञात केस, रीनल डीनर्वेशन प्रणाली (आरडीएन) से सफलतापूर्वक इलाज

केस प्रस्तुति (४ केस) : एक ४४ वर्षीय पुरुष मरीज़ पिछले १० सालों से ईलाज करवाने उच्च रक्तचाप का एक ज्ञात केस है। ४ दवा वर्गों के स्थिर एंन्टिहायपरटेंसीव दवा पर होने के बावजूद, मरीज का बीपी १६०/९० से अधिक अनियंत्रित था। अन्य ३ मामले भी इसी तरह के थे।

माध्यमिक (अन्य) उच्च रक्तचाप के सभी कारण मना कर रहे थे और मरीज का प्राथमिक गंभीर उच्च रक्तचाप के एक प्रकरण के रुप में निदान किया गया। एक महिला सहित ३ अन्य इसी तरह के मरीज़ों का चयन किया गया। उन्हे रीनल डीनर्वेशन में भाग लेने का प्रस्ताव रखा और मरीज़ द्वारा देखरेख सेटिंग के तहत प्रक्रिया से गुजरने की सूचित सहमति दी थी।

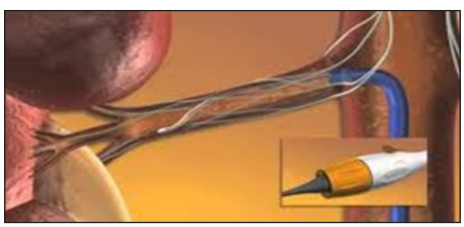

निदान और प्रबंधन : आयोज्य आरडीएन के लिए २२ अक्टूबर २०१३ को सबको भर्ती कराया गया। उनका पूर्वप्रक्रिया रक्तचाप का माप १६०/९० मिमिएचजी से अधिक था। दस्तुरन जांच के बाद, सभी ४ रोगियों पर जागृत एनाल्जेशिया के तहत आरडीएन प्रक्रिया की गई थी। पहुँच दाँयी कमर से प्राप्त हुई थी और दोनों रीनल धमनियों का इलाज किया गया था। सिम्प्लिसीटी रीनल डीनर्वेशन प्रणाली का इस्तेमाल किया गया था जो बहुत ही सुरक्षित रेडियोफ्रीक्वेंसी तरंगों का उपयोग करते हुए एक छोटे वहनीय उपचार कैथेटर और एक स्व नियंत्रित उपचार डिलीवरी जनरेटर की बनी होती हैं। इलाज न्यूनतम आक्रामक है; खुली सर्जरी की आवश्यकता नहीं होती है और यह आम तौर पर ४०-६० मिनट का समय लेता है। प्रक्रिया गुर्दे की रक्त वाहिकाओं की नसों शान्त करती है और स्थानीय एनेस्थेशिया के तहत की जाती है। वहाँ कोई कठिनाई नहीं थी और सभी मरीज़ अगले ही दिन पर घूम रहे थे और अगले दिन घर जाने को तैयार थे।

अति रक्त दबाव : रक्त के उच्च दबाव के लिए अति रक्त दबाव शब्द का उपयोग किया जाता है। जिन व्यक्तियों में कम से कम दो बार रक्त का दबाव १४०/९० मिमी. Hg(मरक्युरी) या उससे अधिक हो तो उनके रक्त दबाव को उँचा माना जाता है।

रक्त के उँचे दबाव के लिए चिकित्सा के विकल्प है : रक्त के उँचे दबाव वाले मरीज़ो को स्वास्थ्यप्रद जीवन शैली स्वीकारने को प्रोत्साहित किया जाता और कई बार रक्त के दबाव को कम करने वाली (अति रक्त दबावरोधी) दवाईयाँ दी जाती है। रक्त के उच्च दबाव के साथ जुड़ी समस्याओं में कमी करना का एक सुनियोजित आयोजन निम्नानुसार है

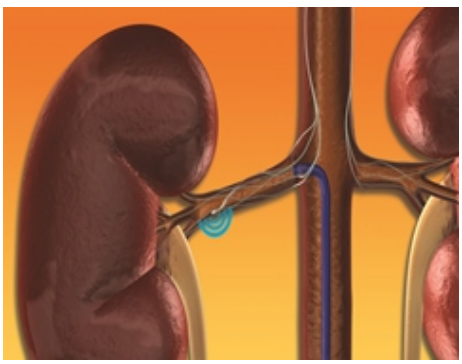

- आल्कोहल (शराब) पर नियंत्रण
- स्वास्थ्यप्रद वजन को बनाये रखना
- नियमित व्यायाम
- सोडियम(नमक) कम लेना
- विपुलता से फल और सब्जियों युक्त आहार लेना
- आहार में कुल चरबी (घी, तेल, मख्खन, चीज़) के प्रमाण को नियंत्रित करना ।
- धूम्रपान का त्याग करना
- तनाव का समाधान लाना

द सिम्प्लिसिटी रीनल डिनर्वेशन सिस्टम

व्यक्ति को इस प्रक्रिया मे किस लिए भाग लेना चाहिए?

यहाँ रीनल अर्थात किडनी और डिनर्वेशन अर्थात विचेताकरण है। डिनर्वेशन में शरीर के अंग या शरीर के किसी भी भाग में प्रवेश करते ज्ञानतंतु चेताओ पर चीरा लगा कर स्थानीय निश्चेतक दे कर उनका संपर्क काट दिया जाता है।

अति रक्त दबाव के मरीज़ की गुर्दे (किडनी) की चेताएँ लाक्षणिक रूप से अत्यंत सक्रिय होती है। यह स्थिति रक्त दबाव मे बढोतरी करती है। और हृदय, किडनी और रक्तवाहिनीयों को नुकसान पहुँचाती है। द सिम्प्लिसिटी रीनल डिनर्वेश्न सिस्टम में रीनल डिनर्वेशन के नाम से जानी जाती विधि का इस्तेमाल होता है। यह विधि चुनिन्दा अत्यंत सक्रित किडनी चेताओ को शांत या निष्क्रिय बनाती है। उससे रक्त का दबाव बढाते किडनी के अंतस्त्रावों के निर्माण में कमी होती है और हृदय, किडनी और रक्तवाहिनियों में होते अतिरिक्त नुकसान के समक्ष रक्षण होता है। फिलहाल अवरोधक अति रक्त दबाव के मरीज़ों में केथेटर (प्रवेश्नली) आधारित किडनी अनुकंपी विचेताकरण द्वारा किसी बड़े प्रतिकूल असर के बग़ैर रक्त के दबाव में प्रत्यक्ष कमी होती दिखाई दी है।

अवरोधक अति रक्त दबाव : जब मरीज़ मूत्रल सहित तीन अति रक्त दबाव दवाईयों की स्पष्ट मात्रा का प्रयोग करता है और लक्षित रक्त का दबाव प्राप्त करने मे असफल रहता है तो उसे अवरोधक अति रक्त दबाव कहते है।

द सिम्प्लिसिटी रीनल डिनर्वेश्न सिस्टम से होने वाले कुछ फ़ायदे निम्नानुसार हैं

- रक्त दबाव मे अर्थपूर्ण कमी
- धमनी की कठोरता मे कमी
- अवरोधक निंद्राश्वसन में सुधार
- कम से कम तकलीफों के साथ तेजी रोगमुक्ति का समय
- किडनी के कार्यो में सुधार
- इंस्युलीन के अवरोध में कमी
- तरल अतिभारिता और रक्त अतिभारिता हृदय निष्फलता में कमी

यह कैसे कार्य करता है? द सिम्प्लिसिटी रीनल डिनर्वेश्न सिस्टम संचालन कर सके वैसे छोटे चिकित्सा कैथेटर और स्वनियंत्रित चिकित्सा निर्गम जनरेटर रखा है। इस चिकित्सा में खुली शल्यचिकित्सा की आवश्यकता नहीं होती है।उसके बजाय दो किडनी धमनियों में सुक्ष्म चीरा लगाते है । प्रकाश की चमक के लिए आवश्यक उर्जा जितनी ८ वाट की शक्ति दी जाती है। यह उर्जा देने से चेताएँ अलग हो जाती है। जिससे कुछ महिनों में रक्त का दबाव निम्न रहता हैं।

हृदय और धड़कन
वर्ष-4, अंक-47, नवम्बर 20, 2013

आठ महिने के बच्चे की सिर्फ १ इंच चिरे द्वारा हार्ट सर्जरी

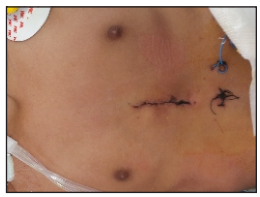

सीम्स हॉस्पिटल, अहमदाबाद के बाल हृदयरोग विभाग में केवल आठ महिने की, पाँच किलो वजन वाली बच्ची का मिनिमली इन्वेसिव सर्जरी द्वारा सफलतापूर्वक ऑपरेशन किया गया। इस बच्ची को हृदय के पर्दे में १० मिमि आकार का छेद था और फेफडे का दबाब ज्यादा हो गया था। (वी एस डी विद सीवियर पल्मोनरी हाईपरटेन्शन) इसे ले कर बच्ची का शारीरिक विकास रुक गया था और बार बार बीमार हो जाती थी। इस बच्ची के हृदय की हाईब्रिड सर्जरी सीने और पेट के जोड के पास सिर्फ १ इंच का छोटा सा चिरा लगाकर पूरी की गई। इस सर्जरी में छाती की अस्थि काटने और हार्ट लंग मशीन की जरुरत नहीं होती है। निरंतर ईको मार्गदर्शन के तहत डिवायस से इस वीएसडी को बंद किया गया । इन सब से, बच्चे में तेजी से सुधार आया और ऑपरेशन के बाद दवाई और अस्पताल मे रुकने की आवश्यकता कम होती है। आधुनिक प्रौद्योगिकी, विशेषज्ञ डॉक्टरों और सुविधाओ के कारण यह संभव हुआ।

डॉ. कश्यप शेठ
MD, DNB, FNB
बाल हृदयरोग के विशेषज्ञ

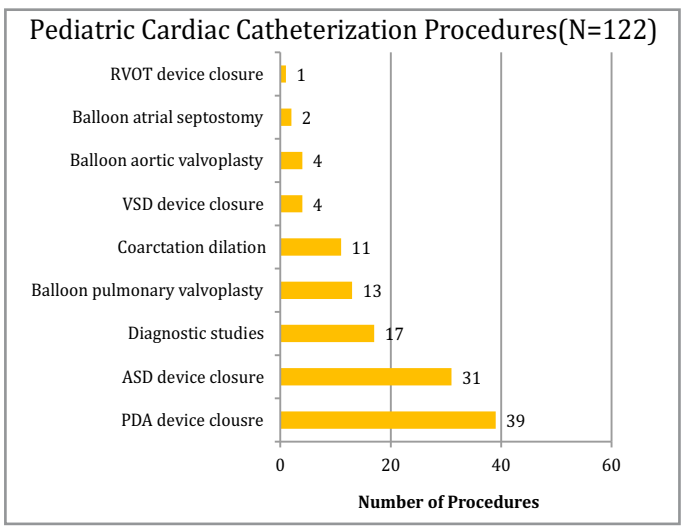

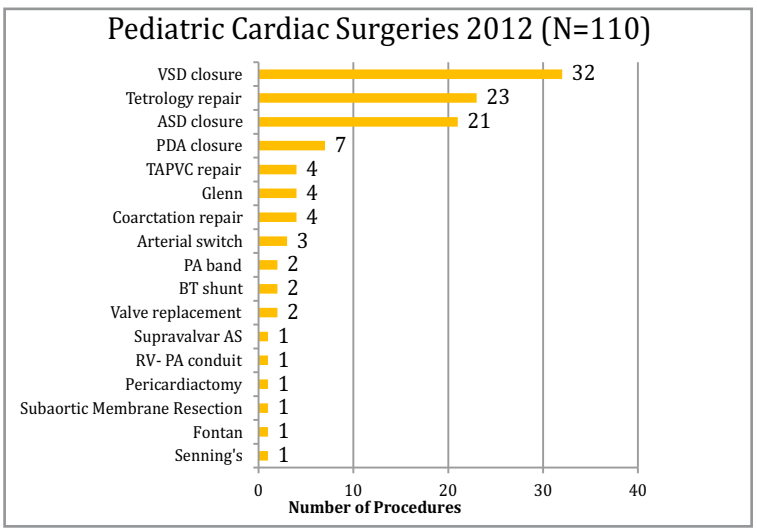

वयस्कोमें जन्मजात हृदय की कमीयाँ : Adult Congenital Heart Disease - 'लटकती तलवार'

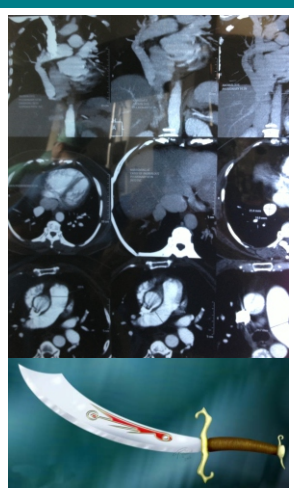

जामनगर की ५८ वर्षिय कुन्दन बहन (नाम बदला गया है) को साँस की तकलीफ हो गई। एक्स-रे, ईको, ब्लड प्रेशर टेस्ट के बाद प्रारंभिक जाँच में फेफडे का दबाब उँचा होने का निदान किया गया परंतु उसका कारण पता न चला। और जाँच के लिए उन्हे सीम्स हॉस्पिटल, अहमदाबाद लाया गया। यहाँ सब परिक्षण फिर से किए गई। इकोकॉर्डियोग्राफी में दाँये फेफड़े को शुद्ध रक्त ले जाती नसे (Right Pulmonary Veins) दाँये फेफडे में खूलने के बजाय दाँये हृदय के नीचे महाशिरा (Inferior Vena Cava) में खूलती थी और उस स्थान पर बहुत ज्यादा संकीर्णता थी। इससे फेफडें में रक्त जाने के बदले फेफडे में रह कर दबाव बढ रहा था। इसके अलावा हृदय में कोई खामी नहीं थी। यह निदान सुनिश्चित करने के लिए सीटी स्केन का सहार लिया गया और स्केन में स्पष्ट पता चला के फेफडे की नस महाशिरा में खूलती है और सकडी दिखाई दी। इस बीमारी को स्कीमीटार सिंड्रोम कहते है। स्कीमीटार एक ऐसी तलवार है जिसकी धार बाहर की ओर होती है इस रोग में फेफडे की नस जो महाशिरा में खूलती है को एक्स-रे में स्कीमीटार जैसी दिखाई देती है। अगस्त २०१३ को कुन्दन बहन पर ओपन हार्ट सर्जरी की गई। दाँये फेफडे की नस (पल्मोनरी शिरा) को महाशिरा से अलग कर उसे अपने प्राकृतिक स्थान पर, बाँये एट्रीयम से जोड दी गई। ऑपरेशन के दसवे दिन जब कुन्दन बहन को छुट्टी दी गई तब रोगी के रिश्तेदारों और हॉस्पिटल टीम, सबके चेहरे पर संतोष था।

उपसंहार : स्कीमीटार सींड्रोम के नाम से जानी जाती यह बीमारी लाखों में किसी एक को होती हैं। समयानुसार और अचूक निदान, उचित ऑपरेशन और ऑपरेशन के बाद की देखभाल और इस टीम वर्क ने कुन्दन बहन को त्वरित अच्छा किया ।

डॉ. शौनक शाह
MS, MCh, DNB
पीडियाट्रीक और एडल्ट कार्डियाक सर्जन

नियोनेटल और पीडियाट्रिक क्रिटीकल केयर

नियोनेटल और पीडियाट्रिक क्रिटीकल केयर युनिट की मुख्य विशेषताएं:

- क्रिटीकल नियोनेट्स और बच्चों के उपचार के लिए अति प्रशिक्षित इंटेसिव केयर युनिट टीम
- नवीनतम १२ बिस्तर, अत्याधिनुक नियोनेटोलॉजी सेटअप, नाईट्रिक ऑक्साईड (एनओ) डिलिवरी की सुविधा के साथ परम्परागत उच्च फ्रिकवन्सी ऑसीलटरी वेन्टीलेशन (एचएफओवीएसएलई ५०००) से सज्ज है
- हॉस्पिटलमें पीडियाट्रिक सर्जरी, पेडियाट्रिक कॉर्डियोलॉजी और पेडियाट्रिक कार्डियाक सर्जरी, फाईबर ऑप्टिक ब्रोकोस्कोपी, पोस्ट ट्रोमा केयर जैसी सुबिधा के साथ सघन इंन्टरवेन्शन कार्यक्रम
- पेडियाट्रिक वेंटीलेटर्स के साथ सज्ज २४ X ७ इमरजंसी सहायता और पेडियाट्रिक परिवहन टीम

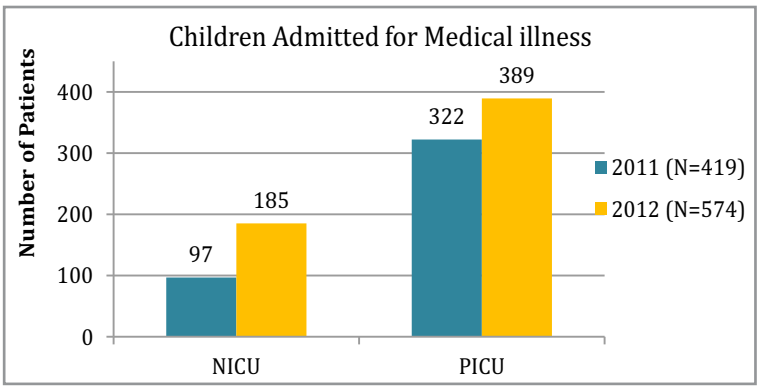

मात्र ९०० ग्राम वजन की अपरिपक्व शिशुओ के प्रकरण

इस अकादमिक वर्ष के दौरान; हमने दो अपरिपक्व शिशुओं की डिलीवरी की देखभाल के सबसे अच्छा कार्य किए; प्रकृति ने उन्हें सिर्फ ७ महीने की अंतर्गर्भाशयी उम्र (अपरिपक्व जन्म) में जन्म दे दिया। उन्हे उनके अपरिपक्व फेफड़ों और अपरिपक्व अंग प्रणाली के कारण वेंटीलेटर पर जीवन समर्थन सहित अत्यधिक परिष्कृत नवजात गहन चिकित्सा कक्ष (NICU) में १.५ महीने प्रिटर्म देखभाल के लिए रखा गया। समयपूर्व प्रसव के साथ, बालक अ की ७वे महिने की डिलीवरी पर वजन ८५० ग्राम था जबकि बालक ब का वजन ८९० ग्राम था। ८-९ महीने की उम्र में, दोनों अच्छी तरह से हैं।

चित्र-१ए : बच्चा ब जन्म के समय

चित्र-१ब : बच्चा ब ८ महिनेकी उम्र के वक्त

चित्र-१ : बच्चा बी का वजन ८९० ग्राम जन्म के समय

डॉ. अमित चित्तलीया
MB, D.Ped, Pediatric Critical Care Medicine (Berlin)
Fellowship Pediatric Cardiac Critical Care (NH-India)
Fellowship Pediatric Flexible Bronchoscopy (ERS-FRANCE)
नियोनेटोलोजीस्ट और पीडियाट्रीक इन्टेन्सीवीस्ट

एन्डोवास्क्युलर इन्टरवेन्शन

- २०११ की तुलना में (संख्या ५५) २०१२ में ज्यादा वेस्क्युलर श्ल्यकियाएँ (संख्या ७३) की गई जिसमे पेरीफेरल आर्टीयल ओक्लुझन डिसीज़, एरोटिक एन्युरीज़्म, वेरीकोज़ विन्स, डायबेटीक फूड इंफेक्श्न, डीप वेने थ्रोम्बोसिस और पल्मोनरी एम्बोलोज़्म का उपचार किया गया।
- आधुनिक ऑपरेटिंग कक्ष, केथलैब्स, आयसीयु और अत्याधुनिक टेक्नोलॉजी के साथ सिम्स पर सर्जन वैस्क्युलर बीमारियों के हर क्षेत्र में श्रेष्ठ परिणाम प्राप्त करने में सफल रहे हैं।
- सीम्स के वेस्क्युलर सर्जन और इंटरवेन्शनल कार्डियोलॉजिस्ट टीम द्वारा पेरीफेरल आर्टरी स्थिति वाले रोगीयों के लिए विविध प्रक्रियाएँ की जाती है। वे एंजियोप्लास्टी, एथेरेक्टॉमी, स्टेन्टींग, थ्रोम्बोक्टॉमी और थ्रोम्बोलिसीस में कार्य कुश्ल है।
- सिम्स के वेस्क्युलर सर्जन ऑटोलोगस वेन ग्राफ्ट का प्रयोग करने में सज्ज है।

वेरीकोज़ वेन्स क्या है? वेरीकोज़ वेन्स फूली हुई नसे होती है जो त्वचा से स्पष्ट दिखाई देती है और गांठ वाली रस्सीयों की तरह नीले या जांबूनी रंग की दिखाई देती है। वेरीकोज़ वेन्स शरीर में कहीं भी हो सकती है परंतु सामान्य तौर पर पैर में ज्यादादेखी जाती है।

स्पाईडर वेन्स क्या है? स्पाईडर वेन्स वेरीकोज़ वेन्स का हल्का प्रकार है, जो वेरीकोज़ वेन्स से छोटी होती है और सनबर्स्ट या मकड़ी के जाल जैसी दिखाई देती है। वें लाल या निले रंग की होती है और त्वचा के नीचे चेहरे या पैर पर दिखाई देती हैं।

वेरीकोज़ वेन्स किस कारण होती है? मोटापन, वंशनुगत, लंबे समय तक ख़डा रहने से, पूर्व डीवीटी, इत्यादि।

वेरीकोज़ वेन्स के लक्षण क्या है? पैर में दर्द, खुजली, त्वचा में पिगमेन्टेशन, कॉस्मेटिक दाग, एडेमा, वीनस अल्सर ।

निदान : विस्तृत्व चिलिस्तकीय जाँच और उसके बाद विनस डॉप्लर स्केन

उपचार विकल्प : नोन सर्जीकल : कम्प्रेशन स्टोकिंग्स और माईक्रोफलेनोनोइड्स

सर्जिकल : सर्जिकल स्त्रीपिंग, फोम स्केलेरोथेरेपी, रेडियो फ्रिकवेंशी एब्लेशन, मल्टिपल हूक फ्लेबेक्टोमीज़

आरएफ द्वारा वीनस क्लोझ्र एब्लेशनका उपयोग

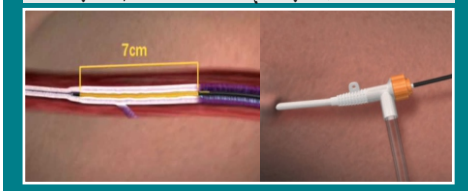

एब्लेश्न में केथेटर नामक पतली लचिली नली वेरीकोज़ वेन्स में प्रविष्ट की जाती है। कैथेटर का शिर्ष रेडियोफ्रिकवेंसी उर्ज़ा (कोल्ज़र प्रोसिज़र के नाम से जाना जाता है) का प्रयोग कर वेरीकोज़ वेन्स की दिवालों को गर्म किया जाता है। और नस की कोश्किा को नष्ट करता है।एक बार नष्ट हो जाने बाद

स्केलेथेरापी : स्पाईडर और वेरीकोज़ वेन्स के लिए स्केलेथेरापी सबसे प्रचलित उपचार है। इस प्रक्रिया में सेलाईन या रसायनिक सॉल्युश्न का प्रयोग किया जाता है जिसे वेरीकोज़ वेन्स में इंजेक्श्न द्वारा भेजा जाता है जिसमें खून भरता नहीं। इन नसों से सामान्य तौर पर हृदय को जाता रक्त अन्य नसो द्वारा हृदय को पहुँचाया जाता है। इंजेक्श्न लेने वाली नसे समय के साथ सिकुड कर अदृश्य हो जाती है। स्कार टीश्यु को शरीर शोष लेता है।

एम्ब्युलेटरी फ्लेबेक्टॉमी : इस प्रक्रिया में छोटे चीरों द्वारा हूक गुजारे जाते है और यह वेन स्त्रीपिंग के बिना या सहित किया जा सकता है।

गोल्डन पिरीयड का महत्व

पैर ठंडे होना!! अचानक काले हो जाना!! गेंग्रीन होना और आख़िर में पैर खो देना या जान खो देना!! यह परिस्थिति है आज के समाज में गाँव मे रहते कितनी ही भाई और बहनो को डायबिटीज, ब्लडप्रेशर, स्मोकिंग और कोलेस्ट्रोल जैसे रिस्क फैक्टर वाले असंख्य मरीज़ लेग अटैक (पैर के गेंग्रीन का ख़तरा) से पीडित है और जाग्रति और समय पहले उपचार नहीं मिलने से विकलांग बनकर लाचार हो जाते हैं। बात करते है कानजी भाई की (नाम बदला है) गत महिने सौराष्ट्र से रात को १० बजे डॉक्टर का फोन आया कि कानजी भाई के दोनों पैर ठंडे हो गए है और असहनीय दर्द हो रहा है। हीपेरीन का इंजेक्श्न दे कर मरीज़ को सीम्स हॉस्पिटल वेस्क्युलर सर्जरी डिपार्टमेंट में शिफ्ट किया गया। वेस्क्युलर सर्जन द्वारा सघन जाँच, डोप्लर एवं सीटी स्केन कर निदान पक्का किया गया कि, महाधमनी में खून थक्के हो जाने से पैर और जान को ख़तरा हो गया है। इमरजंसी ऑपरेश्न कर नसो में से बलून द्वारा क्लोट तथा प्लॅक (कोलेस्ट्रोल की ख़राबी) निकाल कर रक्त का मार्ग खोल दिया जाता है। ४५ दिन के आय सी यु उपचार के बाद मरीज़ ख़ुद चल कर अपने घर जाता है। शुरुआत में पैर की पेशियों में हुए नुकसान से मरीज को किडनी फैल्योर हुआ और मरीज को ३ से ४ डायालिसीस की भी जरुरत हुई परंतु जान बचाने का संतोष और आनन्द डॉक्टर के चेहरे पर और मौत के मुह से वापस आने की राहत मरीज़ की मुस्कराहट में हमेशा के लिए यादगार बन गई!

ऑपरेशन पहले का सीटी स्केन - बंध नसे

ऑपरेशन द्वारा निकाला ख़राब भाग (रक्त का गठ्ठा)

वेस्क्युलर सर्जरी के बारे मे कहा जा सकता है समय पूर्व है और शुरुआत के ६ घंटे गोल्डन वेस्क्युलर और एंडोवेस्क्युलर सर्जन पिरीयड होता है।

डॉ. सृजल शाह
MS, MCh
वास्क्युलर और एन्डोवास्क्युलर सर्जन

एन्डोवास्क्युलर पेरीफेरल वर्कशोप

सीम्स और अग्रणी अंतराष्ट्रीय टीम द्वारा

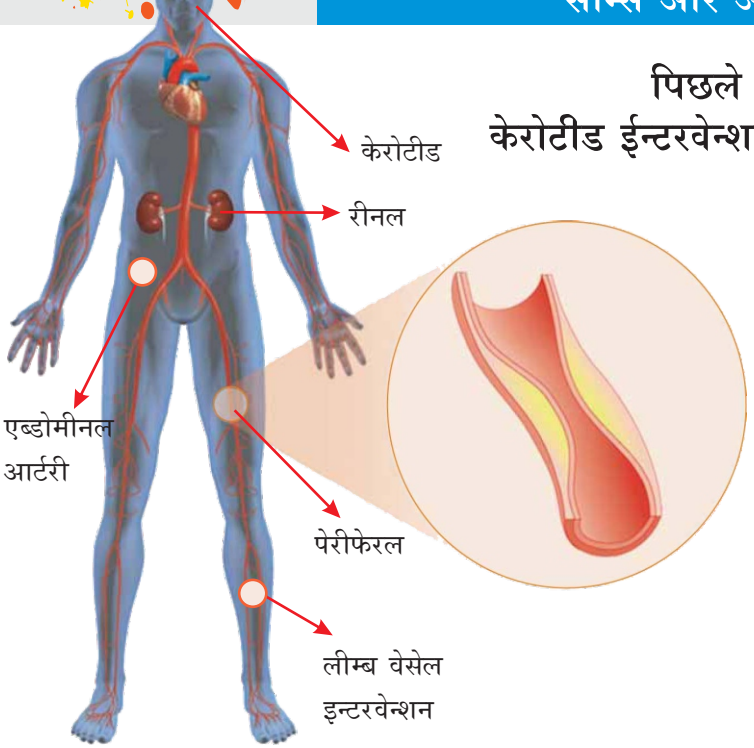

पिछले कुछ सालों में सीम्स में भारी मात्रा में केरोटीड ईन्टरवेन्शन के साथ अनेक एन्डोवास्क्युलर केस किये है ।

जनवरी 9-10, 2014

जो मरीज़ निम्नलिखित समस्या से पीडित है :

- दिमाग के नसकी ब्लोकसे हुई लकवा की असर
- कीडनीकी धमनीकी संकडाश से हुआ ब्लडप्रेशर
- हाथ-पैरमें एकाएक होने वाला दर्द, ठंडे पडते पैर, काले पडते पैर
- पैर का गेंग्रीन और अल्सर
- वेरीकोज़ वेईन्स और वीनस अल्सर
- डायालिसीसका फिस्युला
- गर्भाशयकी गांठे (फाइब्रोइडस)का एम्ब्रोलाइझेशन
- वास्क्युलर माल्फोर्मेशन
- डायाबिटीस, स्मोकर, कोलेस्टेरोल वाले मरीजकी पगनी नसका ब्लोक
- डीवीटी के लिये वीनोप्लास्टी और पैरेकी सुजन और अल्सर
- आंत की नस के ब्लोक से पेटमां होने वाला दर्द
- महाधमनीमें होने वाला एन्युरिझम
- वीनस थ्रोम्बोएम्बोलिक डिसीज
- थोरासिक एब्डोमिनल एरोटीक एन्युरीजम
- मेसेन्टेरिक डिसीज़
- ईन्फ्रापोप्लीटील पेरिफेरल आर्टीरीयल डिसीज़
- ईन्ट्राक्रेनियल आर्टीरीयल स्टेनोटीक डिसीज़
- बर्टीब्रल आर्टीरीयल डीसीज़

मरीजो को निम्नलिखित निःशुल्क सेवाएँ दी जायेगी :

1. कन्सलटेशन
2. एबीआई
3. डॉप्लर (आर्टीरीयल और वेरीकोज़ वेईन्स - यदि सूचित किया जाए तो)

***संबंधित मरीज़ों के लिए रोजाना जाँच केम्प अक्टूबर 1, 2013 से सीम्स अस्पातल में शुरु किया गया है। समय दोपहर 2 से सांय 6 बजे तक**

एपोइन्टमेन्ट लेना आवश्यक है । फोन : +91-79-3010 1200, 3010 1008

Organized by
CIMS® Care Institute of Medical Sciences

सीम्स अस्पताल: शुकन मॉल के पास, ऑफ सायन्स सिटी रोड, सोला, अहमदाबाद-380060.

हृदय और धड़कन
वर्ष-4, अंक-47, नवम्बर 20, 2013

सीम्स का क्रिटीकल केयर विभाग इमरजंसी में साथ ही साथ नाजुक परिस्थितियोमें हो वैसे मरीज़ों को तुरंत मेडिकल सेवा देने के लिए सप्ताह में सातों दिन और दिन के चौबीसो घण्टे निरंतर कार्यरत है। सीम्स क्रिटिकल केयर में उच्च कक्षा के ज्ञान प्राप्त और प्रशिक्षित विशेषज्ञ चिकिस्तक प्रत्येक रोगी को उसकी आवश्यकता के अनुसार निष्ठापूर्वक चिकिस्ता सेवा देते है और उनका निरंतर निरीक्षण करते रहते है।

सीम्स में हर प्रकार की चिकित्सा सेवा तुरंत और सरलता से मुहैया करने वाले चिकिस्तकों का अत्यंत अनुशासनबद्ध कार्य इस बात की गारण्टी देता है कि कितना भी जटील मेडिकल और सर्जिकल केस हो पर यहाँ श्रेष्ठ उपचार मिलने से मरीज़ के बच जाने की संभावना बढाता है।

क्रिटिकल केर विभाग में अत्याधुनिक इनहाउस रेडियोलॉजी और पेथोलॉजी की सुविधाएं है और विशेष चिकिस्तकीय सेवाएँ भी शामिल है, जिसमे फिज़ियोंथेरापिस्ट, क्लिनिकल न्युट्रिशियनिस्ट साथ ही अन्य वैक्ल्पिक थेरापिस्ट का भी समावेश होता है। सीम्स में सपोर्टिव मेडिकल और नर्सिंग स्टाफ के लिए नियमित रुप से हॉस्पिटल में ही शैक्षणिक और प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाते है।

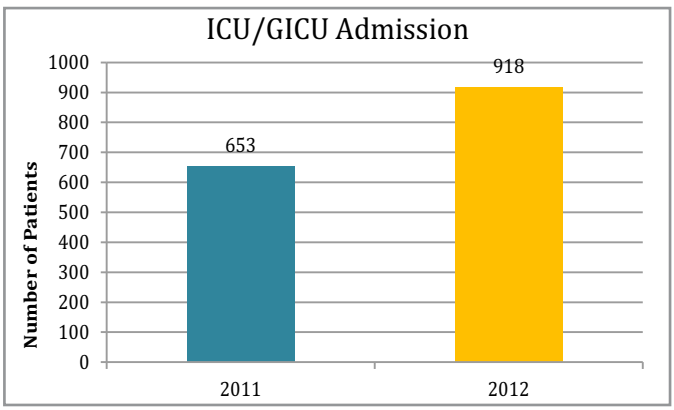

Total admission rate increased by 40% in 2012.

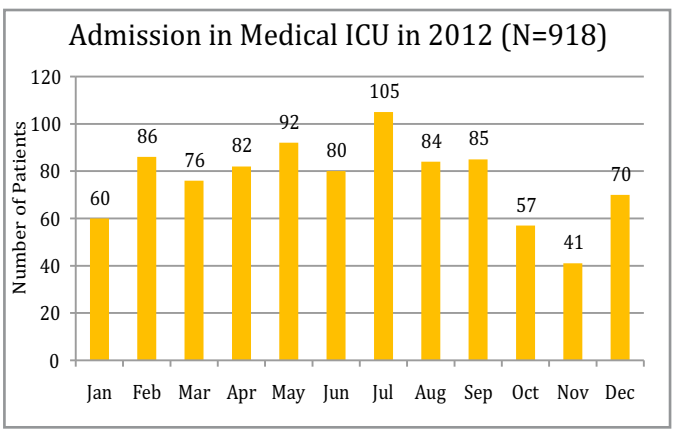

कॉर्डियोजेनिक शोक विद मल्टि ऑर्गन फेल्युअर

७० वर्षिय डायबिटीज़ और हृदय रोग के मरीज़ को उदयपुर में सीने में दर्द उठा। करीब के अस्पताल में पहुँचने के थोडे समय में ही उनको हृदय रोग का घातकी हमला होने से वे बेहोश हो गए और उन्हे मसाज दे कर हृदय के धदकता रखना पड़ा। उनकी तुरंत प्लास्टी कर हृदय को रक्त पहुँचाती धमनी जो बंद थी खोली गई।

इस समय के दौरान उनका रक्तदाब कम रहने से उनको आयएबीपी नामक बलून रखा गया जो हृदय को पंपींग में मदद करता है। मरीज को उपरोक्त तकलीफ के कारण रक्त न मिलने से किडनी, लिवर , फेफडे, मस्तिष्क ये सब अंग विफल या बेकार होने लगे। मरीज़ की तबियत को ध्यान में रख कर सीम्स की आयसीयु ऑन व्हील में वेंटीलेटर और आयएबीपी मशीन के साथ अहमदाबाद लाया गया। सीम्स में आधी रात को पहुँचते डॉ. भाग्येश शाह द्वारा प्राथमिक जाँच के पश्चात उनका डायालिसीस लिया गया और हृदय, किडनी, मस्तिष्क और लिवर को सपोर्ट करती प्रत्येक दवाईयाँ चालू की गई।

मरीज का रक्त पतला होने से उनकी आंत में खराबी, इंफेक्शन और रक्त बह जाने से उनका तुरंत ऑपरेशन किया गया। उनकी खराब आंत को निकाल कर जोड़ दिया गया।

धीरे धीरे मरीज की हालत में सुधार होने लगा। मरीज़ का हृदय सामान्य जैसा ही कार्य करने लगा किडनी में पेशाब बनने लगा. वेंन्टिलेटर निकाल कर मरीज़ को ऑक्सिजन पर रखा गया। लिवर की सूजन उतर जाने से मरीज का भोजन पचने लगा और मरीज को अच्छा होने पर छुट्टी दे दी गई। इस केस में शरीर के सभी महत्व के अंग खराब हो जाने के बाद भी घनिष्ट उपचार कक्ष, डॉक्टर, नर्स, फिज़ियोथेरापिस्ट डाइइटेशियन की टीम के सघन प्रयत्नो से अंत में मरीज़ अच्छा हो कर घर जा सका।

सीम्स क्रिटीकल केर टीम

डॉ. विपुल ठक्कर
MD, IDCCM (Hinduja Hospital, Mumbai)
Fellowship - NBE - Critical Care
(Lilavati Hospital, Mumbai)

डॉ. भाग्येश शाह
MBBS,DA,IDCCM
Travel Medicine Specialist,
ACLS Instructor (AHA)
ID & HIV Medicine Certificate (USA)
Infection Control Certificate (Canada)

डॉ. हर्षल ठाकर
MD (Medicine) DCC, FCC (Critical Care)
Fellowship : Apollo Hospital, Delhi
Formerly : Consultant, Escrot
Heart Institute, Delhi

डॉ. धनेश्री अत्रे सिंघ
MD (Medicine)
Cardiac Intensive Care Specialist
(Westmead Hospital, Australia)
Fellow IDSI (Infectious Diseases
Society of India)

हृदय और फेफड़ो की बीमारियों में तुरंत राहत देती नई टेक्निक : ECMO

हम सब जानते है कि भगवान की इच्छा के सामने डॉक्टर की भी कुछ नहीं चलती। फिर भी मानव उसके स्वजन को बचाने के लिए किसी भी सीमा तक जा सकता है। घनिष्ट उपचार विभाग की इंटेंसीव केयर युनिट भी एक ऐसी ही जगह है जहाँ निरंतर मानव (डॉक्टर) और भगवान के बीच लडाई चलती रहती है। हमारे समाज़ में कितने ही गलत विश्वास भी इस बारे में चलते है जैसे कि वेंटीलेटर के बाद मृत्यु के अलावा कुछ भी नहीं हो सकता है ता फिर हृदय या फेफडे फैल होने के बाद हरिश्रण के अलावा कोई उपाय नहीं इत्यादि इत्यादि।

परंतु नहीं! अब मानव को एक ब्रम्हास्त्र मिल गया है कि हृदय और फेफडे फैल हो जाय तो भी जीवन की आशा भी जा सकती और यह आशा या सपना सच हो तब तक शरीर को सहारा दिया जा सकता है। यह ब्रह्मास्त्र है ECMO (Extracorporeal Membrane Oxygenation) यहाँ (Extracorporeal) यानि 'शरीर के बाहर का' इस प्रकार ईसीएमओ एक ऐसी प्रक्रिया है जिससे शरीर को कुछ मशीनो द्वारा बहार से हृदय और फेफडों के लिए तत्कालीन समय के लिए सहारा दिया जाता है। यह मशीन हृदय की श्ल्यक्रिया मे इस्तेमाल की जाती हार्ट लंग बायपास मशीन से बहुत ही मिलती दिखाई देती है।

सरल भाषा में कहे तो ईसीएमओ हृदय और फेफडों के अच्छे होने के लिए सहारा और समय दोनों देता है। क्योंकि ईसीएमओ हृदय की पम्पिंग और फेफडे के रक्त को साफ रखने का कार्य (ऑक्सिजन और कार्बन डॉय ऑक्साईड का आदान प्रदान) दोनों ही करती है तब यह जरुरी हो जाता है कि मरीज़ को किसी भी प्रकार के दर्द या असुविधा के बगैर आराम से इन मशीनों के कार्यो में सहयोग रख सकता हैं। इसीलिए ऐसे मरीज़ को आयसीयु में निन्द्रा के प्रभाव के तहत शुरुआत में रखा जाता है। एक बार शरीर में सुधार होने पर कोई निद्रा भी नहीं दी जाती है। यह ईसीएमओ उपचार लंबे समय तक दिया जा सकता है।

ईसीएमओ कैसे और क्या कार्य करता है?

ईसीएमओ मशीन एक पम्प होता है। जो हृदय की तरह ही रक्त को आगे धकेले कर शरीर में रक्त पहुंचाता है। उसमें ऑक्सिजीन मशीन भी होती है। जो शरीर से खेची हुई खराब कार्बन डॉय ऑक्साईड को रक्त से साफ कर उसमें ऑक्सिज़न मिलाती है और उसके बाद वह पम्प द्वारा शरीर मे फिर से घकेलती है। इस प्रकार वह ऑक्सिजनेटर फेफडे का कार्य करता है। ये सब मशीने विशेष प्रकार की नली द्वारा शरीर के गले या कुल्हे की मुख्य नसों से जोड़ी जाती है।

ईसीएमओ किसे लगाई जा सकती है? कौन से रोगो में ईसीएमओ उपचार से फायदा देता है।

हृदय रोग जैसे कि

(१) हार्ट फेल्युअर
(२) बॉयपास सर्जरी के बाद या पहले
(३) हार्ट ट्रांसप्लांट के पहले या बाद में
(४) वॉल्व सर्जरी
(५) जन्मजात हृदय की बीमारिया (बच्चों का हृदयरोग)
(६) शरीर की मुख्य धमनियों की सर्जरी
(७) पायजनिंग (जहर के असर वाले रोगी)

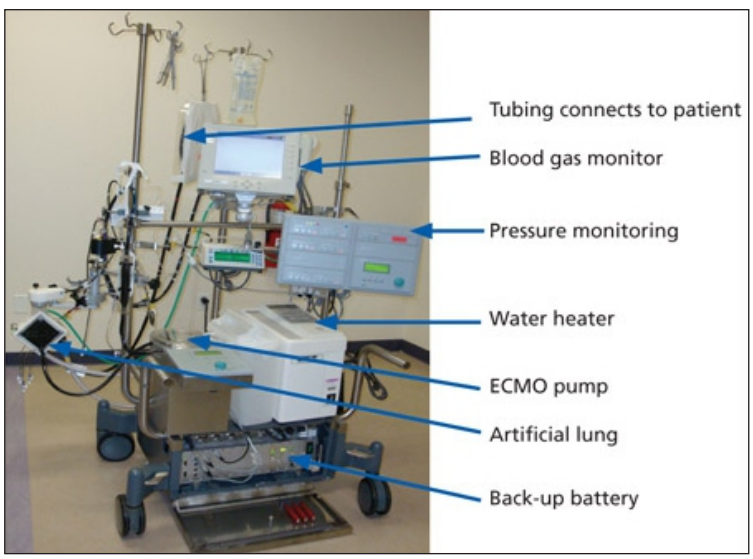

फेफड़े के रोग जैसे कि

(१) स्वाईन फ्लू, बर्ड फ्लू कोई भी प्रकार की फ्लू
(२) वायरस या बैक्टेरिया जन्य बीमारियाँ
(३) ARDS
(४) कोई भी कारण से हुए लंग फैल्युअर

इन सबे उपरोक्त बीमारीयों के लिए दवाईयां, वेन्टीलेटर जैसे उपचार हर स्थान पर उपलब्ध है । परंतु कुछ गंभीर मरीज़ो में इस उपचार का फायदा नहीं होने से उनके लिए ECMO उपचार आशीर्वाद के समान होता है । विशेष रुप से हृदय और फेफड़ों को आराम दे कर उन्हे अच्छ ाकरने के लिए मददगार भी होता है । यह उपचार अभी पुरे गुजरात में सिर्फ सीम्स हॉस्पिटल पर ही उपलब्ध है ।

ECMO टीम क्या है ?

ECMO टीम एक ऐसी टीम है जो ECMO उपचार लेते मरीज़ो का ध्यान रखती हुई यह एक बडी कार्यक्षम और बहुविध प्रतिभा वाले व्यक्तिओ की टीम है जिसमें अलग-अलग विशेषज्ञ डॉक्टर और अन्य पेरामेडिकल स्टॉफ भी उपस्थित होता है ।

सीम्स हॉस्पिटल की ECMO टीम में निम्न सदस्य उपस्थित है ।

(१) कार्डियोलॉजीस्ट (हृदयरोग विशेषज्ञ) (वयस्को और बच्चो के लिए)
(२) इन्टेन्सीवीस्ट (घनिष्ट रोग विशेषज्ञ) (वयस्को और बच्चो के लिए)
(३) कार्डियोथोरासीक सर्जन (हृदय और सीने की बीमारी के सर्जन)
(४) परफर्युनीस्ट (ECMO मशीन चलाने के विशेषज्ञ)
(५) आइसीयु नर्सीस (घनिष्ट उपचार के लिये परिचारिक और परिचारिकाएं)
(६) आइसीयु (घनिष्ट उपचार कक्ष के सहायक डॉक्टर)

यह सभी सदस्य चौबीसो घण्टे उपचार के लिए तैयार रहते है ।

क्या ECMO उपचार से कोई तकलीफ होती है ?

कोई भी उपचार मरीज को अच्छा करने के लिए बना होता है । परंतु किसी मरीज़ को एएसी फायदेकारक उपचार के बावजुद भी छोटी मोटी तकलीफ हो सकती है । ECMO भी इससे वंचित नही है । फिर भी ECMO से जीवनरक्षक उपयोग के समक्ष ये तकलीफ बहुती ही नगण्य है ।

जैसे की,

- ECMO मशीन में रक्त के प्रवाहित होने के लिए प्रमुख दवाईयो के कारण रक्त गाठा या पतला होने से रक्त का प्रवाह होना छोटी पर ध्यान देने वाली तकलीफ है ।
- ECMO मशीनमें रक्त का विघटन होने से मरीज़ को बाहर से रक्त देने की आवश्यकता हो सकती है ।

ECMO उपचार के दौरान मरीज की स्थितियो को कैसे जाना जा सकता है ?

ECMO उपचार के दौरान की जाती निगरानी कोई भी आइसीयु या क्रिटीकल रोगी की निगरानी जैसी ही होती है । उसमें शरीर में ऑक्सिजन की मात्रा, बीपी, हृदय की गति, सांस की गति, कार्बनडायोक्साईड की मात्रा इत्यादि घटको को नापा जाता है और यह निगरानी २४ घण्टे चालु होती है । इस उपचार के दौरान मरीज होश में भी हो सकता है । मरीज को खाना भी दिया जाता है । उनके लिए अन्य अंगो का उपचार भी साथ साथ किया जा सकता है ।

इसके साथ इतना तो कह ही सकते है कि ECMO एक जीवनरक्षक प्रणाली है, जिसका उपयोग करके जीवन स्वरुप भेट दे सकते है । विशेषरुप से हठीले रोगो के लिए एक आशिर्वाद रुप उपचार है । ये उपचार गुजरात और उसके आसपास के राज्यो में लोगो के लिए सिर्फ सीम्स हॉस्पिटल लेकर आई है । इसके साथ ही सीम्स हॉस्पिटलने ECMO स्वीकार करके, मरीज का सुख ही हमारा हित, मरीज की सारवार ही हमारा प्रथम हेतु, इन सुत्रो को सच किया है । सीम्सका घनिष्ट उपचार विभाग और ECMO टीम के द्वारा एक कटिबद्ध उपचार का भरोसा दिया जाता है ।

तो आईसे और आज ही हमारा संपर्क करे । अगर आपका भी कोई अपना मरीज वेन्टीलेटर पर हो और उसका हृदय और फेफडे काम न करते हो तो ECMO और सीम्स ही आपकी आखरी आशा है ।

- सीम्स गुणवत्ता के लिए प्रतिबद्ध है.... रोगी की देखभाल और रोगी उपचार की गुणवत्ता के लिए।
- यहाँ, हर उपचार, छोटे हो या बड़े सब पर बराबर ध्यान दिया जाता है क्योंकि सीम्स में ... हम केयर करते है।
- हमारे लिए, गुणवत्ता की देखभाल से अधिक कोई वादा नहीं है। हमने गुणवत्ता को मापने के लिए एक स्वजाँच प्रणाली विकसित की है।

सीम्स पर, गुणवत्ता के उपाय मानकों की एक विस्तृत श्रृंखला की मासिक निगरानी की जाती है और उसकी प्रमाणित मूल्यांकन स्थापित करने के लिए तुलना की जाती हैं।

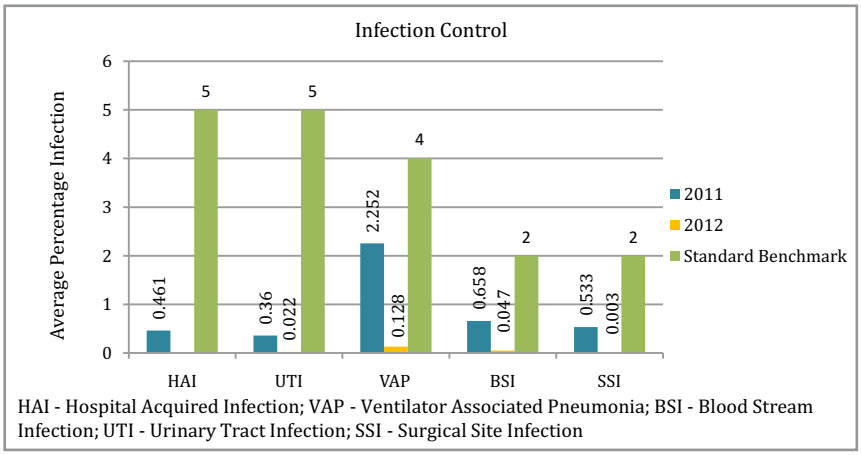

HAI - Hospital Acquired Infection; VAP - Ventilator Associated Pneumonia; BSI - Blood Stream Infection; UTI - Urinary Tract Infection; SSI - Surgical Site Infection

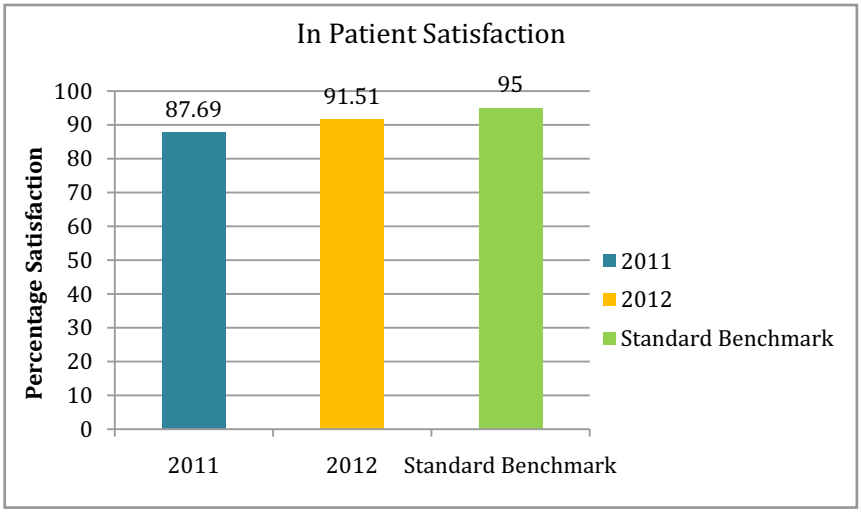

सीम्स एम्बुलेंस और परिवहन सेवा

इमरजंसी मेडिकल सेवाएँ (इएमएस) सीम्स हेल्थ केयर सेवा का महत्वपूर्ण भाग है क्योंकि वे सघन, त्वरित, विश्वसनीय और गुणवत्ता भरी देखभाल तुरंत मुहैया कराती है।

सीम्स फिक्सड वेंटीलेटर के साथ १ ट्रोमा एम्बुलेंस, १ सीम्स बच्चों के लिए एम्बुलेंस (नियोनेटल और पेडियाट्रिक), २ आईसीयु ऑन व्हील और १ जनरल एम्बुलेंस सहित ५ एम्बुलेंस रखता है।

हमारी सेवाएँ बहुत प्रभावशाली होती है और तुरंत और बहुत ही किफ़ायती दरों पर ग्राहकों को उपलब्ध कराई जाती है। एम्बुलेंस हॉस्पिटल पहुचने के मार्ग में मरीज़ को राहत और प्राथमिक उपचार देने के लिए मेडिकल स्टॉफ रखा है।

- मरीज को प्रत्येक परिवहन आवश्यकता के लिए 24 x 7 सेवाएँ
- घर से हॉस्पिटल और हॉस्पिटल से हॉस्पिटल स्थानांतरण
- अति प्रशिक्षित चिकिस्तकीय कर्मचारी
- हमारी एम्बुलेंस देखभाल के दौरान मरीज़ की स्थिति में कुछ भी ज्यादा नुकसान होने जैसी परिस्थितिओं में उपचार के लिए डिफिब्रिलेटरसाथ में ऑक्सिज़न थेरापी उपकरण भी रखती है।
- मरीज की संभाल ही सीम्स का कार्यमंत्र है

मरीज की देखभाल ही सीम्स हॉस्पिटल का कार्यमंत्र है। अन्य राज्य से लाने और छोड़ने की सेवाएँ राजस्थान, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र में दी जाती है ।

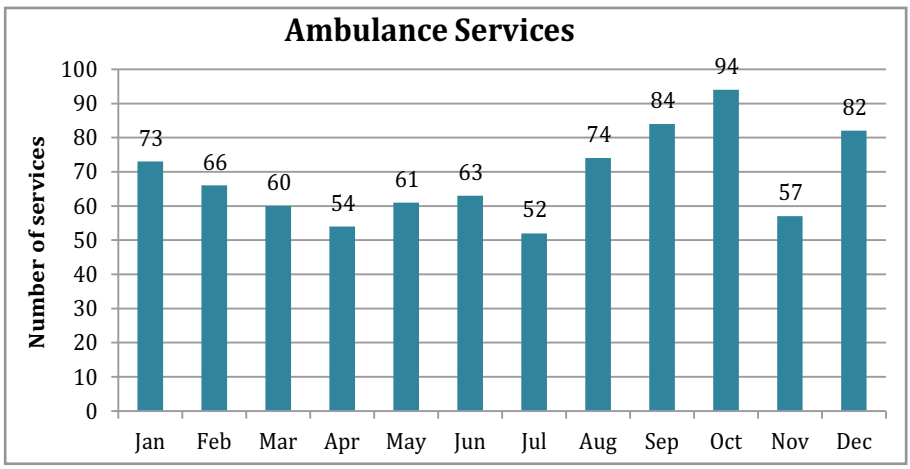

आपका समर्थन हमें ज़िंदगियाँ बचाने में सहायता करेगा।

सीम्स सभी को सही और महज चिकित्सा देखभाल प्रदान करने के लिए स्थापित किया गया है। प्रत्येक रोगी का समान रूप से उपचार हो उसमें सौजन्य, करुणा और देखभाल हमें मार्गदर्शन देते है।

हम नवाचार और एक महान स्वास्थ्य संस्थान बनाने में नई तकनीक को गले लगाने के लिए गहराई से प्रतिबद्ध हैं।

हम सबको सिर्फ उपचार प्रदान करने की हमारी प्रतिबद्धताओं और प्रयासों में, हमें आपके समर्थन की आवश्यकता है।
सब के लिए सस्ती स्वास्थ्य देखभाल की एक विरासत बनाने के लिए सीम्स फाउन्डेशन हमारा पहला प्रारंभिक कदम है। यह इस अस्पताल के संस्थापक डॉक्टरों के योगदान के साथ शुरु हुआ और सभी लोगों को चाहे वे समर्थ हो सकते हो या नहीं, चिकित्सा उपचार उपलब्ध कराने के अपने सपने को पुरा करने हेतु अपने संसाधनों का विस्तार करने के बारे में विचार कर रहा है।

सीम्स फाउन्डेशन के तहत इलाज करा रहा हर मरीज़ आपकी व्यक्तिगत उपलब्धि है ... आपको योगदान करने का मौका देता है।
एक परिवर्तन करने का आपको मौका है।
सीम्स हॉस्पिटल उपचार करता है :

- कभी भी बीमार मरीज़ का
- चरम जटिल प्रकरण
- विविध अंग विफलताओं वाले मरीज
- पश्चिम भारत में सर्वाधिक हृदय रोगी
- दुर्लभ या चुनौतीपूर्ण बीमारी या चोट वाले मरीज

सीम्स हॉस्पिटलमें व्यवस्था

- एक ५:१ के एक कर्मचारी बिस्तर अनुपात (भारत में सबसे ज्यादा में से एक) के साथ १००० से अधिक कर्मचारी
- ७६० पूर्णकालिक और विजिटिंग सलाहकार
- १७०० वर्ग गज का परिसर : प्रगति में विस्तार योजनाओं के साथ १७९ बिस्तर का अस्पताल
- सीम्स क्लिनिक (मणिनगर)
- पूरे भारत और विदेशें के मरीज़ो का १,००,००० अधिक मरिज का डेटा बेझ
- एक वर्ष में लगभग ४०००० मरीजों की मूलाकात

हमारे बारे में

सीम्स फाउन्डेशन (पंजि. सं. E19607) आयकर अधिनियम १९६१ के तहत उसकी सीमाओं के अधीन एक पंजीकृत ट्रस्ट है और प्रमाणित है कि ट्रस्ट/संस्था को किया गया दान आयकर अधिनियम के अनुच्छेद ८० जी (५) की निर्धारित सीमा तक टैक्स कटौती के पात्र होगा।

आपके सभी दान चैक, कैश, आरटीजीएसऔर एनईएफटी के माध्यम से स्वीकार किया जाएँगे। आप हमारे आईडीबीआई बैंक एकाउंट नं : 0067102000026798 में या हमें info@cimscare.com पर भेज सकते हो ।

हृदय और धड़कन
वर्ष-4, अंक-47, नवम्बर 20, 2013

सीम्स के मरीजों के लिए महत्वपूर्ण हैं। सीम्स के लिए रोगी देखभाल सबसे अग्रीम है और रोगीयों के प्रति हमारी प्रतिबद्धता श्रेष्ठ देखभाल से आगे बढती है।

हमारा लक्ष्य है हॉस्पिटल में उनका ठहरना सबसे सुखद और आरामदायक हो और उनको आरामदायक वातावरण मुहैया कराने के लिए निरंतर कार्यरत रहना। हॉस्पिटल में रोगी को हुए अनुभव हमारे लिए महत्वपूर्ण है और उससे हमें चिकिस्तकीय परिणाम, गुणवत्ता, और सुरक्षा को और ज्यादा बेहतर बनाने के लिए प्रयत्नशील बनाते है।

सीम्स गेस्ट रीलेशनशिप्स

केक काट कर और रुम को सजाकर हम मरीजों को जन्म दिन और विवाह सालगिराह और नवजात बच्चे का जन्म दिन मनाते है जिससे मरीज के परिजन उनके प्रियजनों के साथ जन्मतिथि या लग्नतिथि जैसे अवसरों को मनाने से वंचित न रह जाएँ।

त्यौहार मनाना : सीम्स में संपूर्ण त्यौहार का माहौल रच कर किर्समस, होली, मकर संक्रांति, गणतंत्र दिवस, स्वतंत्रता दिवस और दिपावली मनाई जाती हैं।

सामुदायिक आरोग्य जागृति : विश्व हृदय दिवस, स्वास्थय मेला, सीम्स स्वास्थ पाईये जैसे विविध कैम्प और जागृति के कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है।

कैसे हौ राउंड : पीजीआरओ (मरीज और गेस्ट रिलेशन ऑफिसर) द्वारा लिया जाने वाल यह राउंड बहुत सारे संवाद और ज्यादा बेहतर सेवाओं के लिए मरीज़ और हॉस्पिटल के बीच सांस्कृतिक भेदभाव दूर करने में मदद करता है।

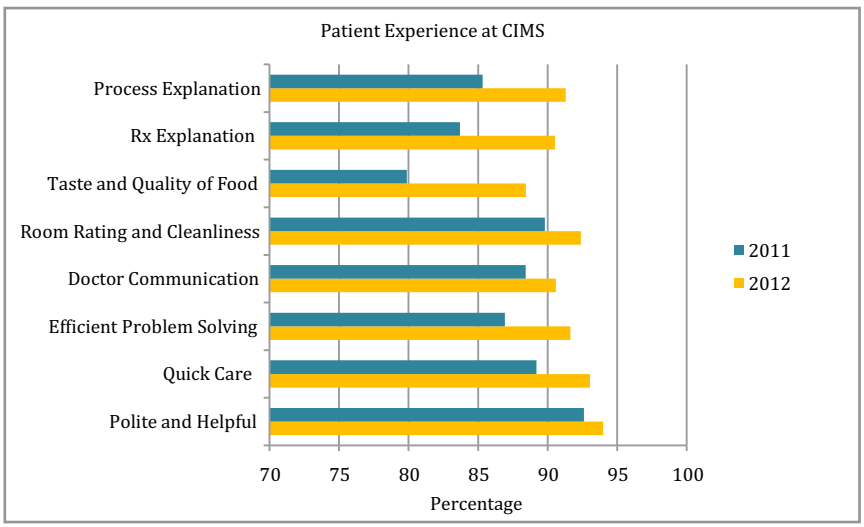

पीडियाट्रिक्स : हॉस्पिटल में उनको ठहरना आनन्दपूर्ण बनाने के लिए पेडियाट्रीक विभाग के बाल रोगीयों को खिलौने और गेम्स प्रदान किए जाते है।

फिल्मो की सीडी-डीवीडी : पेडियाट्रिक विभाग, सिंगल और स्युट रुम के लिए मरीजो के लिए डीवीडी और सीडी की सूचि उपलब्ध है। जिसमे कॉमिक्स, बच्चों के लिए फिल्में आध्यात्मिक, अंग्रेजी फिल्मे, विविध पुरानी और नई हिन्दी फिल्मों को शामिल किया गया है।

अन्य : भर्ती होने के बाद सभी मरीजो के लिए गेट वेल सून कार्ड उनके प्रतिभाव के अनुसार प्रत्येक मरीज को धन्यवाद क्षमा पत्र डिस्चार्ज के बाद, मरीजो का हाल चाल पूछने के लिए कॉल किए जाते है। अगर कोई शिकायत है तो संबंधित व्यक्ति को भेजी जाती है।

उपचार और सफलता मरीज़ों के शब्दों में

☺ डॉ. के.पी. की देखभाल के तहत सीम्स हॉस्पिटल में एंजियोग्राफी और ज्यादा देखभाल के लिए मैं भर्ती हुआ हूँ। मुझे यहाँ सच में बहुत अच्छा अनुभव हुआ है। सबसे आधुनिक और अद्यतन टेक्नोलॉजी के साथ हॉस्पिटल में सब सुविधाएँ है। वें स्वभाव से बहुत ही मददगार है और मेरी व्यक्तिगत देखभाल की है। इनहाउस डॉक्टर, नर्सिंग स्टॉफ और अन्य प्रबंधन स्टाफ भी कुशल और स्नेही है। कुल मिलाकर मेरे ठहरने के दौरान मेरे चिकित्सकीय उपचार और देखभाल से में सीम्स से बहुत प्रभावित हुआ हूँ। मै हर किसी को सीम्स की सिफ़ारीश करुंगा ।

☺ स्टॉफ के कामों का अच्छा अनुभव रहा। मरीजों की यहाँ अच्छी देखभाल की जाती है। हॉस्पिटल की सुविधाओं से मैं खुश हूँ। डॉक्टर का स्टाफ और अन्य सभी स्टाफ विशेष रुप से डॉ. एम.सी. और डॉ. वी.टी. का जन्म दिन मनाने के लिए मैं बहुत आभारी हूँ।

☺ डॉ. एमसी और डॉ. डीएस द्वारा किया गया उपचार साथ ही हॉस्पिटल द्वारा दी जाने वाली सुविधाओं से मै बहुत खुश हूँ। हॉस्पिटल द्वारा दिया जाता भोजन सचमुच स्वास्थ्यप्रद हैं। मैं अपने प्रत्येक परिचित और परिवार के सदस्यों को सीम्स हॉस्पिटल की सिफ़ारिश करूँगा ।

☺ आज सुबह ही मेरे पिताजी को एंजियोग्राफी के लिए भर्ती कराया गया। भगवान की कृपा से चिंताजनक कुछ भी नहीं है। सामान्य तौर पर लोगो को लंबी कार्डियाक उपचार जैसे कि एंजियोप्लास्टी या बॉयपास सर्जरी का प्रश्न परेशान करता है। परंतु डॉ. ए.सी. बहुत अच्छे थे। जिन्होने कोई भी उपचार की जरुरत नहीं है ऐसा हमे समझाया। और हमे राहत मिली। डॉ. ए.सी. एक उम्दा व्यक्ति है । यहाँ तह कि पूरी टीम और उसके सदस्य बहुत अच्छे डॉक्टर बहुत अच्छे व्यक्ति हैं। हॉस्पिटल का स्टॉफ भी बहुत अच्छा है। हॉस्पिटल का स्टॉफ होने के बावजूद वे आथित्य का मतलब बहुत अच्छी तरह से जानते है। मरीज़ और उनके स्वजनों की वें बहुत अच्छी देखभाल करते है। आखिर में मरीज जब हॉस्पिटल में भर्ती होता है तो दवा से ज्यादा हिलींग महत्वपूर्ण होती है और सीम्स उसके लिए मशहूर है। धन्यवाद.. इसी प्रकार आगे बढ़ते रहें। धन्यवाद।

☺ मैने डॉ. एस जी के तहत सीम्स हॉस्पिटल में एंजियोग्राफी कराई। हॉस्पिटल सबसे श्रेष्ठ है। यहाँ का वातावरण भी अच्छा है। स्टॉफ बहुत अच्छा है और सहृदयी और सहकार की भावना रखता है। धन्यवाद।

☺ उपचार डॉ. एच.बी. ने किया था । भगवान की कृपा और डॉ. एचबी की मेहनत से मेरे स्वजन को अच्छे हॉस्पिटल में, अच्छे डॉक्टर के पास, बहुत ही देखभाल के साथ उपचार मिला. बस इसी प्रकार सेवा देते रहें।

☺ सीम्स ने बहुत खतरे भरी हार्ट सर्जरी द्वार मेरी पुत्री बेबी तंवी धर्मेशा पानसूरिया का जीवन बचाया। (डॉ. एस.एस., डॉ. ए.सी. और डॉ. के.एस.) उत्तम डॉक्टर और अच्छी मार्गदर्शिकाए, नर्सिंग और आयसीयु स्टाफ द्वारा अच्छी देखभाल हुई। धन्यवाद।

☺ मेरा पुत्र जीमित बारोट रविवार से डेगुं से पीडित था। मैने उसे डॉ. बीएस के उपचार के तहत सीम्स हॉस्पिटल में भर्ती कराया। हॉस्पिटल की सेवा उत्तम है। यहाँ का वातावरण बहुत अच्छा है। डॉक्टर का उपचार अच्छा है। धन्यवाद।

☺ जॉइंट रिप्लेसमेंट टीम द्वारा संपूर्ण घुटना प्रस्थापन के लिए मेरी रिस्तेदार श्री मति सुशीलाबेन दोशी को यहाँ भर्ती किया गया था। डॉक्टर और हॉस्पिट्ल की सेवा से हम बहुत खुश है। सीम्स में बहुत ही किफ़ायती दर से उच्चस्तरीय सुविधाएँ उपलब्ध है।

☺ धन्यवाद। धन्यवाद। धन्यवाद। मेरा पुत्र युधवीर सांगेर को मिले उपचार के लिए शब्दों में आभार व्यक्त करना असंभव है। एनआयसीयु पर डॉ. ए सी और उनकी टीम ने उत्कृष्ट उपचार का उदाहरण दिया हैं। एक शब्द में कहें तो वे हमारे लिये तारणहार है। पूरे अस्पताल का जितना धन्यवाद दूँ उतना कम है। जिस प्रकार आपने मेरे परिवार के लिए किया वैसा उम्दा कार्य आप आगे भी करते रहे और लोगों के चेहरे पर खुशी लाते रहे ऐसी शुभकामना है। मुश्किल के समय आने वाले वर्तमान या भविष्य में मरीजों को एक ही सलाह है कि मेडिकल टीम और आपके डॉक्टरों को इसी तरह काम करने दें क्योंकि स्थिति की सही और योग्य समझ उनके पास ही है और हमे परिणामों की प्रतिक्षा करनी है और विश्वास रखीये कि हमारे केस में हुआ उसी प्रकार आपके लिए भी मंगल परिणाम ही लायेंगे। और अंत में, अच्छे और स्नेही उपचार के लिए मैं सीम्स हॉस्पिटल का धन्यवाद मानता हूँ और आशिष देता हूँ कि वें यह अच्छा कार्य इसी प्रकार करते रहे।

☺ मेरे पिता को नया जीवन बक्षने के लिए मैं डॉ. केपी का आभारी हूँ। अब मेरे पिताजी स्वस्थ और खुश है। मेरे पिताजी के शब्दों में डॉ. के पी के बारे में कहुं तो - आप मेरे जीवन में भगवान बनकर आयें और मुझे नया जीवन दिया। अब मुझे ईश्वर के अस्तित्व का विश्वास हुआ है। मै सचमुच आपका आभारी हूँ। और ये सिर्फ एक संदेश नहीं है परंतु दिल से निकले शब्द है। यह अस्पताल भारत का विश्वस्तर का हॉस्पिटल है।

☺ सीम्स अस्पताल पर श्रेष्ठ देखभाल, उत्कृष्ट चिकिस्तकीय सुविधाएँ मैने पहले कभी भी अन्य हॉस्पिटल में नहीं देखी जबकि मैं स्वयं पिछले ३० वर्षो से उत्तर गुजरात में फिज़िशियन के तौर पर प्रैक्टिस करता हूँ। विश्वस्तरीय उपचार मैने यहाँ देखा । जहाँ मुझे घर और स्वर्ग जैसा लगा है।

☺ सीम्स में की जाती देखभाल बहुत ही स्नेहभरी और आरामदायक हैं। डॉक्टर, नर्सिंग स्टॉफ, अटैन्डेण्ट और समग्र हॉस्पिटल स्टॉफ बहुत अच्छा है। सीम्स में दिया जाता चिकिस्तकीय उपचार बहुत ही किफ़ायती है और रंग, जात पात के भेदभाव के बिना यहाँ लोगों को एक समान उपचार मिलता है। मैं उपचार करते मेडिकल स्टाफ के अलावा कैन्टीन, डोर्मेटरी, पार्किंग, सेक्युरिटी और एच मानव संशाधन विभाग इत्यदि का भी आभारी हूँ जिनका कार्य मेरी अपेक्षा से बहुत अच्छा था।

☺ सीम्स पर मेरे पिताजी की बॉयपास सर्जरी की गई। मेरे पिताजी का केस सम्हालने वाले डॉक्टरों और सर्जनों की टीम श्रेष्ठ थी। सब डॉक्टर बहुत ही नम्र और मेरे प्रत्येक प्रश्न का जवाब देने को तत्पर थे। रिसेप्शनिस्ट से ले कर नर्स, न्युट्रिशिनिस्ट साथ ही हॉस्पिटल स्टॉफ का कार्य , मरीज़ की संतुष्टी और देखभाल की दृष्टि से यह श्रेष्ठ हॉस्पिटल है। सर्जरी के बाद , मेरे पिताजी की उत्तम देखभाल की गई। मेरे पिताजी को आवश्यक देखभाल दे कर उनकी तेज़ी से और अच्छी रीकवरी के लिए हॉस्पिटल २४ घण्टे तत्पर रहते है। परिवार के लिए प्रतिक्षा क्षेत्र बहुत ही आरामदायक और बहुत ही व्यवस्थापूर्ण था। आपके स्वजन की स्थिति क्या होगी या उपचार का परिणाम क्या होगा उसकी प्रतिक्षा करना हमेशा पीड़ादायक होता है परंतु सीम्स के स्टॉफ द्वारा परिवार और मित्रों को आरामदायक और स्नेही सुविधाएँ मुहैया कराने की चिता की हैं। यहाँ कई मेगजिंस, और अख़बार उपलब्ध है, परिवार और मित्रों के लिए चाय की सेवा हैं, ऑन साईट कैंटीन और जानकार व त्वरित उपस्थित हो ऐसा स्टॉफ भी हैं। यह स्थान अनुशासनबद्ध योजना और स्टॉफ के मिलनसार स्वभाव से मैं बहुत ही प्रभावित हुआ हूँ। सीम्स स्टॉफका धन्यवाद कि मेरे पिता और मेरे परिवार के लिए शल्य चिकित्सा का अनुभव सुखद रहा।

☺ ऑपरेशन बहुत अच्छा रहा और हॉस्पिटल स्टाफ की सहायता के कारण रोगी खुद ही अच्छा होने लगता है। भोजन, नर्स और पूरा स्टाफ और डॉक्टर की टीम उत्कृष्ट है। हॉस्पिटल का वातावरण भी घर जैसा है। मै सबका आभारी हूँ।

☺ मेरे पति श्री प्रमोदमुकार ने सीम्स हॉस्पिटल में हेल्थ चेकअप कराया है। हॉस्पिटल और सेवाएँ उत्तम हैं। मैं सीम्स को सफलता की शुभकामनाएँ देती हूँ और मेरे मित्रों और परिवार को निश्चित सीम्स की ही सलाह दूँगी।

☺ चित्तौड़गढ राजस्थान में हार्ट अटैक के बाद एक वर्ष पहले हृदय उपचार के लिए मै सीम्स में भर्ती हुआ था। मेरा बहुत तेजी से उपचार किया गया। मुझे हॉस्पिटल में बिल्कुल घर जैसा वातावरण मिला। कन्सलटन्ट, डॉक्टर और पूरा स्टाफ बहुत ही स्नेही और आनंदमयी है। मुझे बहुत अच्छ मार्गदर्शन दिया गया था। हमारे प्रवेश से लेकर बिदाई तक हर व्यक्ति बहुत ही मददगार था। मुझे कभी भी अस्पताल जैसा नहीं लगा। यहाँ का वातावरण और व्यवस्था नहुत ही मैत्रीपूर्ण थी। हमारे ठहरने के दौरान , हम सपूर्णरुप से चिंतामुक्त थे। मेरे डिस्चार्ज के बाद, राजस्थान के बहुत से रोगीयों को मैने सीम्स की सलाह दी और वे सब भी उपचार और सीम्स से स्टाफ से बहुत खुश है। मैं हॉस्पिटल को सफलता की शुभकामनाएँ देता हूँ।

☺ सीम्स में चलते हर कार्य से मै बहुत संतुष्ट हूँ। भारत में (अहमदाबाद) इस प्रकार का हॉस्पिटल है उसका मुझे गर्व है। शुरुआत से ही स्वच्छता, स्टॉफ का व्यवहार और डॉक्टर इतने अच्छे है कि उपचार के पहले ही रोगी की तबीयत सुधर जाती है। अंत में दवाई का वितरण भी अच्छा है। प्रत्येक दवाई को कैसे लेना है और कब दवाई लेना उसकी विशेष पर्ची रखी जाती है। मै सीम्स पर चल रहे हर कार्य की सराहना करता हूँ।

और दूसरे अनेक..

सीम्स क्लिनिक मणीनगर

उपलब्ध सुविधाएं

- कन्सलटेशन
- इसीजी
- टीएमटी
- इकोकार्डियोग्राफी
- कन्सलटेशन : कार्डियोलॉजी (एन्जियोग्राफी, एन्जियोप्लास्टी, इलेक्ट्रोफीजीयोलॉजी स्टडी इत्यादी) और कार्डियाक सर्जरी (बायपास सर्जरी, मिनीमली इन्वेसीव कार्डियाक सर्जरी (मीक्स), वाल्व रिप्लेसमेन्ट इत्यादि। प्रोसिजर जो सीम्स अस्पताल में होती है ।

My Health is My Wealth...

विशेष कार्डियाक चेक-अप पेकेज

सोमवार, बुधवार और गुरुवार, समय सुबह १० से १ बजे तक

सामान्य पेकेज			डिस्काउन्ट पेकेज	
कन्सलटेशन	:	₹ 600/-	कन्सलटेशन, इको, इसीजी	सिर्फ ₹ 600/-*
इको	:	₹ 1500/-		
इसीजी	:	₹ 180/-		
		₹ 2280/-		

*३१ दिसम्बर, २०१३ तक ही मान्य (सिर्फ सीम्स क्लिनिक, मणीनगर पर) एपोइन्टमेन्ट लेना आवश्यक है ।

डॉ. जिनेश शाह
एम.डी. (मेडीसीन), एमएचए
कन्सलटन्ट कार्डियाक फिजीशीयन और डायाबिटोलोजीस्ट
मोबाईल : +91-98795 31832
हर सोमवार से शनिवार तक
समय : सुबह १०.०० से ३.०० बजे तक

डॉ. उर्मिल शाह
एम.डी., डी.एम. (कार्डियोलॉजी)
इन्टरवेन्शनल कार्डियोलोजीस्ट
मोबाईल : +91-98250 66939
हर गुरुवार
समय : सुबह ९.०० से ११.०० बजे तक

डॉ. विनीत सांखला
एम.डी., डी.एम. (कार्डियोलॉजी) (सीएमसी वेल्लोर)
फेलो-मायो क्लिनिक, रोचेस्टर, युएसए
इन्टरवेन्शनल कार्डियोलोजीस्ट
मोबाईल : +91-99250 15056
हर सोमवार और बुधवार
समय : सुबह ९.३० से १२.०० बजे तक

सीम्स क्लिनिक (मणीनगर)
पहली मंजिल, शांत प्रभा हाईट, वल्लभ वाडी के सामने, भैरवनाथ रोड,
मणीनगर, अमहादाबाद-३८०००८.
एपोइन्टमेन्ट के लिये फॉन : +91-79-2544 0382-83 (मोबाईल) + 91-90991 82222

"Hriday Aur Dhadkan" Registered under RNI No. GUJHIN/2009/28021
Published 20th of every month
Permitted to post at PSO, Ahmedabad-380002 on the 1st to 7th of every month under
Postal Registration No. GAMC-1730/2013-2015 issued by SSP Ahmedabad valid upto 31st December, 2015

If undelivered Please Return to :

CIMS Hospital, Nr. Shukan Mall,
Off Science City Road, Sola, Ahmedabad-380060.
Ph. : +91-79-2771 2771-75 (5 lines)
Fax: +91-79-2771 2770
Mobile : +91-98250 66664, 98250 66668

"हृदय और धड़कन" का अंक प्राप्त करने के लिये :

अगर आपको "हृदय और धड़कन" का अंक चाहिए तो इसका मूल्य ₹ 60 (12 अंक) है । इसको प्राप्त करने के लिये केश या चेक/डीडी सीम्स होस्पिटल प्रा. ली. के नाम से और आपका नाम और पुरे पते के साथ हमारी ओफिस हृदय और धड़कन डिपार्टमेन्ट, सीम्स अस्पताल, शुकन मॉल के पास, ऑफ सायन्स सिटी रोड, सोला, अहमदाबाद-380060 पर भेज दे । फोन नं. : +91-79-3010 1059/1060

यदि आपको इस पुस्तिका की अंग्रेजी आवृत्ति चाहिए तो निम्नलिखित पते पर ईमेल करे
communication@cimshospital.org

CIMS®
Care Institute of Medical Sciences
At CIMS... we care

Emergency	+91-79-30101094
GICU(Ground Floor)	+91-79-30101096
NICU	+91-79-30101092
PICU	+91-79-30101090
CCU	+91-79-30101191
Premier CCU	+91-79-30101193
GICU-2 (First Floor)	+91-79-30101151
SICU	+91-79-30101290
Premier SICU	+91-79-30101292
Patient Relation	+91-90990 68959
Clinical Care	+91-79-30101053/54
Main Reception	+91-79-30101078
OPD Reception	+91-79-30101000
Admission	+91-79-30101080
Billing	+91-79-30101082
Insurance	+91-79-30101085
Pathology	+91-79-30101036
Radiology	+91-79-30101031
Pharmacy (OP)	+91-79-30101002
Health Checkup	+91-79-30101088
Physiotherapy / Rehabilitation	+91-79-30101181

सीम्स अस्पताल:
शुकन मॉल के पास, ऑफ सायन्स सिटी रोड, सोला, अहमदाबाद-380060.
एपोइन्टमेन्ट के लिये फोन : +91-79-3010 1200, 3010 1008
(मो) +91-98250 66661 ईमेल : opd.rec@cimshospital.org
फोन : +91-79-2771 2771-75 (5 नंबर्स) फेक्स : +91-79-2771 2770
ईमेल : info@cims.me वेब : www.cims.me

सीम्स क्लिनिक (मणीनगर)
पहली मंजिल, शांत प्रभा हाइट, वल्लभ वाडी के सामने,
भैरवनाथ रोड, मणीनगर, अहमदाबाद-380008.
एपाइन्टमेन्ट के लिये संपर्क करे : +91-79-2544 0382-83
(मो) +91-90991 82222 फेक्स : +91-79-2544 0384

एम्बयुलन्स और आपातकालीन सेवायें : +91-98244 50000, 97234 50000, 90990 11234

मुद्रक, प्रकाशक और संपादक डॉ. हेमांग बक्षी ने सीम्स अस्पताल की ओर से
हरिओम प्रिन्टरी, 15/1, नागोरी एस्टेट, ई.एस.आई डिस्पेन्सरी, दुधेश्वर रोड, अहमदाबाद-380004 से मुद्रित किया और
सीम्स अस्पताल, शुकन मॉल के पास, ऑफ सायन्स सिटी रोड, सोला, अहमदाबाद-380060 से प्रकाशित किया।